अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 151 लखनऊ, सोमवार, 15 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

पंकज चौधरी के नेतृत्व में विपक्षी दलों से लड़ना होगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास कार्यक्रम उपलब्धियों के बारे में बताते हुए, आने वाले दिनों में नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 में होने वाले चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित होकर नये कैप्टन पंकज चौधरी के नेतृत्व में कार्य करने के लिए प्रेरित किया और याद दिलाया कि हमें चुनावों में अपने विपक्षी दलों के छल-छद्म से भी लड़ना होगा। इसके लिए मजबूत संगठन और मजबूत नेतृत्व बहुत जरूरी है।

रेलवे ने 11 सालों में 42,600 से अधिक एलएचबी कोचों का निर्माण किया

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोचों के उत्पादन में लगातार प्रगति की है, जिन्हें यात्रियों के लिए बेहतर सुरक्षा, बेहतर यात्रा आराम और बेहतर परिचालन प्रदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रेलवे की तरफ से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार 2014 और 2025 के बीच, 42,600 से अधिक एलएचबी कोचों का विनिर्माण किया, जो 2004 और 2014 के बीच निर्मित 2,300 कोचों की तुलना में 18 गुना अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 (नवंबर 2025 तक) के दौरान कुल 4,224 से अधिक एलएचबी कोचों का विनिर्माण किया गया है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में उत्पादित 3,590 कोचों की तुलना में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है।

यूपी भाजपा में चौथे चौधरी की ताजपोशी

- यूपी भाजपा के चौथे कुर्मी प्रदेश अध्यक्ष हैं महराजगंज के सांसद पंकज चौधरी
- उनसे पहले स्वतंत्र देव, विनय कटियार व ओम प्रकाश सिंह भी रह चुके हैं इस पद पर
- नामांकन के लिए प्रस्तावकों के चयन में भी हर जाति का रखा गया ख्याल

अभयानंद शुक्ल, समन्वय सम्पादक

ताकि कुर्मी वोट फिर बिखर न जाए

लखनऊ। पार्षद के रूप में राजनीति की शुरुआत करने वाले पंकज चौधरी अब प्रदेश भाजपा संगठन के मुखिया बन गए हैं। ये सात बार के सांसद व मोदी सरकार में वित्त राज्य मंत्री हैं। बीते शनिवार को उनका अकेले नामांकन होने के साथ ही तय हो गया कि यूपी में भाजपा के नए 'चौधरी' अब पंकज ही होंगे। वर्ष 2027 में होने वाले के विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत भाजपा ने प्रदेश की राजनीति में बड़ा और सोचा-समझा कदम उठाते हुए पीडीए फार्मूले की काट के लिए ओबीसी कार्ड खेल दिया है। पिछड़ा वर्ग में यादवों के बाद दूसरा बड़ा वर्ग कुर्मी समाज है। बीते लोकसभा चुनाव में कुर्मियों के पार्टी के दूर हो जाने को देखते हुए भी पार्टी का यह निर्णय महत्वपूर्ण है। यह बदलाव यूपी की 50 सीटों पर भाजपा के लिए मुफ़ीद रहेगी।

निर्वाचन के लिए प्रस्तावकों में ठाकुर, ब्राह्मण, पारसी, भूमिहार, दलित और ओबीसी समाज के नेताओं को शामिल कर भाजपा ने सामाजिक समरसता का भी संदेश देने की कोशिश की है। इसके जरिए पार्टी ने सामाजिक संतुलन और एकजुटता का भी स्पष्ट संदेश दिया। पंकज के प्रस्तावकों में मुख्यमंत्री योगी, दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, सांसद कमलेश पासवान के अलावा प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण भी शामिल रहे। चूंकि पंकज चौधरी के खिलाफ किसी अन्य ने नामांकन नहीं किया, ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय था। निर्वाचन की औपचारिक घोषणा केंद्रीय चुनाव अधिकारी व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की।

अध्यक्ष तो बन गए पर पंकज करेंगे क्या और कैसे

पार्षद के रूप में अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी यूपी की महाराजगंज लोकसभा सीट से सात बार सांसद चुने जा चुके हैं। ये तब भी चुने गए जब देश में भाजपा चुनाव हार गई थी और यूपीए सरकार बनी थी। वर्तमान में वे केंद्र सरकार में वित्त राज्यमंत्री के पद पर कार्यरत हैं। उनका जन्म 20 नवंबर 1964 को गोरखपुर में हुआ था। कुर्मी समुदाय से आने वाले पंकज चौधरी का परिवार भी राजनीतिक से जुड़ा रहा है। उनकी माता उज्ज्वला चौधरी जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। एक जानकारी के अनुसार उनकी कुल संपत्ति लगभग 37 करोड़ रुपए नम्बर एक में है। सूत्रों के अनुसार उनके लंबे राजनीतिक सफर को देखते हुए पंकज चौधरी का निर्विरोध चयन भाजपा की रणनीतिक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि उनके आलोचक कहते हैं कि उनका राजनीतिक प्रभाव महराजगंज जिले से आगे नहीं है, और संगठन चलाने का भी अनुभव नहीं है। यह भी कहा जाता है कि अपने जिले के बाहर वे राजनीति में कोई बड़ा नाम भी नहीं हैं। पर उनकी एक खासियत ये है कि वे मोदी की गुड बुक के हैं। ऐसे में शायद उन्हें केंद्र के रबर स्टाम्प के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। और इसी बहाने योगी आदित्यनाथ को यह मैसेज भी है कि प्रदेश संगठन पर केंद्रीय नेतृत्व का दबदबा बना रहेगा। पर अब आने वाला समय ही बताएगा कि उनके लो प्रोफाइल के बावजूद उनकी बंपर ताजपोशी का राज क्या है।

अमित शाह ने की थी बड़ा आदमी बनाने की घोषणा

30 मई 2024 को एक सभा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि आप पंकज चौधरी को सांसद बनाइए, हम इनको बड़ा आदमी बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि ये बहुत अनुभवी सांसद हैं और इनके अनुभव का लाभ पार्टी और सरकार को मिलना ही चाहिए। इसके अलावा पंकज चौधरी को पीएम मोदी की गुड बुक का माना जाता है, और उन्हें इसका भी लाभ मिला है। हालांकि चर्चा यही है कि इनकी सीएम योगी आदित्यनाथ से कम पटती है, लेकिन नामांकन के दौरान जिस तरह से योगी सक्रिय थे, उसे देखकर अब इन चर्चाओं पर भी विराम लग गया है।

बीजेपी ने नितिन नबीन को बनाया राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

- संसदीय बोर्ड का फैसला, तत्काल प्रभाव से लागू होगी नियुक्ति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा निर्णय लेते हुए बिहार सरकार के मंत्री श्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, यह फैसला पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनज़र लिया गया है। नितिन नबीन संगठन और सरकार दोनों में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी नियुक्ति पर हर्ष जताते हुए इसे संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताया है।

रुपये की ऐतिहासिक गिरावट ने भाजपा के आर्थिक दावों की खोली पोल: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि डॉलर के मुकाबले रुपये का अब तक के इतिहास में सबसे कमजोर स्तर पर पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था को लेकर जो आंकड़े और दावे पेश कर रही है, वे पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन हैं। उन्होंने कहा कि रुपये की गिरावट ने सरकार की आर्थिक नीतियों की असलियत जनता के सामने ला दी है। रविवार को पार्टी की तरफ से जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा इस सच्चाई से इनकार नहीं कर सकती कि रुपये की कमजोरी सीधे तौर पर सरकार की नाकामी का परिणाम है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने रुपये की गिरावट और सरकार के बीच ऐसा विचित्र आर्थिक सिद्धांत गढ़ा है।

सेवा भारती नोएडा महानगर में एएपीएल ट्रस्ट ने कंबल किया वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। रविवार को एएपीएल के संस्थापक डॉक्टर एके श्रीवास्तव एवं सहयोगी एन पी त्रिपाठी, दीपक शर्मा, डॉ एन के श्रीवास्तव, प्रियंका शर्मा, एसके गुप्ता, बीएस माथुर, सत्य भामा त्रिपाठी एवं बाल स्वयंसेवक विनायक द्वारा सेवा भारती के सेक्टर 8 और सेक्टर 10 के केन्द्रों के बच्चों को बहुत ही सुंदर कंबल वितरण किए। आज के इस कार्यक्रम में सेवा भारती नोएडा महानगर अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश गुप्ता, मंत्री अरुण चौहान, उपाध्यक्ष अमृत पाल सिंगला, शिक्षिका सुषमा ठाकुर और राधा देवी उपस्थित रहे। इसके इलावा सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यापक रमेश उपस्थित रहे।

भारत ने बंगलादेश के आरोपों को खारिज किया, कहा भारत वहां स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का पक्षधर

नई दिल्ली। भारत ने बंगलादेश सरकार के दावों को खारिज करते हुए रविवार को कहा कि उसने सदैव बंगलादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव का समर्थन किया है और कभी भी भारतीय भूमि का बंगलादेश के हितों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने दिया है। बंगलादेश के आरोपों का जोरदार खंडन करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत, बंगलादेश की अंतरिम सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में किए गए दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है।मंत्रालय ने कहा ,'' भारत ने बंगलादेश में शांतिपूर्ण माहौल में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनाव कराने के अपने रुख को लगातार दोहराया है।

भारतीयता में आध्यात्म का मूल : मनोज जोशी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। प्रेरणा शोध संस्थान न्यास के तत्वावधान में नोएडा के सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान में आयोजित 'प्रेरणा विमर्श-2025' के अंतर्गत 'नवोत्थान के नए क्षितिज' कार्यक्रम के दूसरे दिन देश के मीडियाकर्मियों, विचारकों और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने समसामयिक विषयों पर सारगर्भित विमर्श किया। इस अवसर पर संघ की 'केशव संवाद' पत्रिका के विशेषांक का विमोचन भी किया गया।

रविवार को 'नवोत्थान के नए क्षितिज' के अंतर्गत 'धर्मस्य मूलं अर्थः' (आर्थिक क्षेत्र में नवोत्थान) विषय पर आयोजित प्रथम सत्र में वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी ने कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि देश का स्वयं का सेल्फ-मॉडिफाइड इकोसिस्टम विकसित नहीं हो पाया है। स्वदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्म के अभाव में एप्पल, अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसी विदेशी कंपनियां हर वर्ष देश से अरबों रुपये बाहर ले जा रही हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की स्थिति पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। रेलवे, हवाई सेवाओं, एक्सप्रेस-वे सहित बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विकास हुआ है। यूपीआई भुगतान प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल ट्रांजैक्शन व्यवस्था बन चुकी है और वर्ष 2014 के बाद आर्थिक वृद्धि दर में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है।

विषय पर अपने विचार रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य रूपेश कुमार ने कहा कि एक समय दुनिया का 25 प्रतिशत व्यापार भारत से होता था। आज युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। देश में दो लाख से अधिक स्टार्टअप्स शुरू हो चुके हैं, जिनमें 48 प्रतिशत महिलाएं निदेशक और 18 प्रतिशत स्वामित्व में हैं। सरकार की नीतियों के चलते जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बुनियादी ढांचे के विकास से आर्थिक गति तेज हुई है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पहले विदेशी शक्तियां भारत को बाजार के रूप में देखती थीं। आर्थिक रूप से सशक्त होते देखना नहीं चाहती थीं।

आर्थिक क्षेत्र में नवोत्थान सत्र में ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हरीश बर्णवाल ने सत्र का संचालन करते हुए आर्थिक नवोत्थान पर वक्ताओं के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज नरेटिव और विचारों की लड़ाई है। आज समय में बदलाव आया है। दूसरे सत्र सामाजिक क्षेत्र में नवोत्थान : 'हिन्दवः सोदरा सर्वे' विषय पर आयोजित सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले ने कहा कि भारत का दर्शन विश्व-कल्याण का संदेश देता है। वसुधैव कुटुंबकम् भारत की मूल भावना है। प्राचीन भारत में जाति व्यवस्था कर्म आधारित थी। 'आर्य' शब्द जाति का नहीं बल्कि श्रेष्ठता का सूचक है। मत परिवर्तन सरल हो सकता है, किंतु मन परिवर्तन के लिए समाज को आगे आकर निरंतर प्रयास करना होता है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों और कुछ राजनीतिक शक्तियों ने समाज को बांटने का प्रयास किया, लेकिन अब सकारात्मक बदलाव के परिणाम सामने आ रहे हैं।

- नवोत्थान के नए क्षितिज पर मंथन, सांस्कृतिक चेतना में जागृति

वी केयर फिल्म फ़ेस्टिवल एंड ब्रदरहुड के निदेशक सतीश कपूर ने कहा कि भारतीय संस्कार समानता और सम्मान का संदेश देते हैं। हमें यह देखना होगा कि हम अपने आस-पास के लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आया है। दिव्यांगजनों के प्रति दृष्टिकोण बदला है। आज पैरा ओलंपिक विजेताओं को भी समान सम्मान मिलता है। फिल्मों और सिनेमा के क्षेत्र में भी बदलाव दिखाई दे रहा है। अब समाज खुलकर संवाद कर रहा है, जो एक स्वस्थ संकेत है।

इस सत्र का संचालन वरिष्ठ पत्रकार एवं टीवी एंकर रामवीर श्रेष्ठ ने किया। उन्होंने सामाजिक नवोत्थान के विभिन्न पहलुओं को रोचक और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करते हुए वक्ताओं के सामने विषय से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न रखे।

तीसरे सत्र में सांस्कृतिक क्षेत्र में नवोत्थान विषय के अंतर्गत 'जननी जन्मभूमिश्च' पर अभिनेता एवं रंगकर्मी मनोज जोशी ने कहा कि भारतीयता के मूल में आध्यात्म है। तुष्टिकरण की प्रवृत्ति फिल्मों तक में दिखाई दी, किंतु भारतीय दर्शन, शास्त्र, पुराण और वेदों की परंपरा अटूट रही। उन्होंने कहा कि अनेक आक्रांताओं ने भारत की संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया, नालंदा जैसे विश्वविद्यालय जलाए गए, फिर भी श्रुति और स्मृति परम्परा के माध्यम से ज्ञान सुरक्षित रहा।

यदि रामायण जैसी ग्रंथ-परम्परा न होती तो भारत में व्यापक धर्मांतरण हो चुका होता। शिक्षा पद्धति के प्रभाव से आज युवा पीढ़ी इन मूल्यों को समझने लगी है। श्रोता के अनुरोध पर अभिनेता मनोज जोशी ने चाणक्य सीरियल में चाणक्य और मुद्रा राक्षस के बीच संवाद के डायलॉग्स बोलकर जनता को मंत्रमुग्ध किया।

सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रचार टोली के सदस्य राजीव तुली ने कहा कि भारत भूमि के मौलिक संस्कार कभी समाप्त नहीं हो सकते। समाज जैसी शिक्षा और संस्कार पाएगा, वैसा ही उसका स्वरूप बनेगा। यदि सकारात्मक मूल्य सिखाए जाएंगे तो समाज स्वाभाविक रूप से उसी दिशा में आगे बढ़ेगा। वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडिया टीवी की एंकर मीनाक्षी जोशी ने कहा कि जब सांस्कृतिक चेतना प्रबल होती है, तब राष्ट्र मजबूती के साथ आगे बढ़ता है। इसके लिए वैचारिक और सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होना आवश्यक है।सभी सत्रों के अंत में वक्ताओं ने श्रोताओं द्वारा पूछे गए विषयपरक प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के प्रचार प्रमुख कृपाशंकर, प्रेरणा शोध संस्थान न्यास की अध्यक्ष प्रीति दादू, प्रेरणा विमर्शऽ2025 के अध्यक्ष अनिल त्यागी, समन्वयक श्याम किशोर सहाय, सह संयोजक अखिलेश चौधरी, सचिव मोनिका चौहान, नोएडा विभाग के संघचालक सुशील कुमार, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. अखिलेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे तिवारी, डॉ. मनमोहन सिसोदिया एवं मोनिका चौहान ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

हॉर्नबिल महोत्सव भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव की सराहना की है और इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का सशक्त प्रतीक बताया है।

श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा एक अखबार में हॉर्नबिल महोत्सव को लेकर लिखे गये लेख को साझा किया है और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का एक शक्तिशाली प्रतीक बताया है।

उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर एक नये, आत्मविश्वासी भारत का चेहरा प्रस्तुत करता है। नागालैंड की अनूठी सांस्कृतिक पहचान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य केवल एक महोत्सव की मेज़बानी नहीं करता, बल्कि स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है, जो 'त्योहारों की भूमि' के गौरवशाली नाम को सही सिद्ध करता है।

श्री सिंधिया ने एक अंग्रेजी अखबार में नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव में पूर्वोत्तर की झलकियां नाम से एक लेख लिखा है, जिसे श्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा किया है। श्री मोदी ने लिखा कि नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव मानवीय भावना के विविध रंग और प्राचीन तथा आधुनिकता के अद्भुत समन्वय के रूप में चित्रित करता है। उन्होंने कहा, ''जब हमारा पूर्वोत्तर प्रकाशमान होगा, तभी समूचा राष्ट्र उन्नति की ऊंचाइयों को छूएगा।''

उल्लेखनीय है कि नागालैंड की समृद्ध संस्कृति और जीवन शैली को प्रस्तुत करने वाला यह महोत्सव नागालैंड की लड़ाकू जनजातियों का सबसे बड़ा उत्सव है। इसे 'त्योहारों का त्योहार' भी कहा जाता है। इस हर साल एक से 10 दिसंबर यानी दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आस्ट्रेलिया में यहूदी लोगों पर हुये हमले की निंदा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बोंडी बीच पर त्योहार मना रहे यहूदी लोगों पर हुये हमले की निंदा करते हुये देशवासियों की तरफ से गहरी संवेदना प्रकट की है। श्री मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर अपने एक पोस्ट में लिखा, ''ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बोंडी बीच पर आज हुए भयानक आतंकवादी हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया।

स्टार्टअप विकास का प्रमुख इंजन बनेगा कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे : दीपक मैनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रदेश सरकार की कनेक्टिविटी क्रांति से बदलेगा स्टार्टअप मूवमेंट

लखनऊ। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के निर्माण के बाद यह मार्ग स्टार्टअप विकास का प्रमुख इंजन बनने जा रहा है। एक्सप्रेस-वे के चालू होने के बाद लखनऊ नवाचार और उद्यमिता के एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित होगा। बेहतर कनेक्टिविटी और तेज आवागमन से यह पूरा क्षेत्र स्टार्टअप गतिविधियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) के चेयरमैन, दीपक मैनी का कहना है कि उत्तर प्रदेश में जिस गति से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, उससे स्टार्टअप और नवाचार को नयी दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे बनने के बाद कानपुर और लखनऊ के बीच यात्रा समय दो घंटे से घटकर कुछ मिनटों तक सीमित हो जायेगा। इससे स्टार्टअप्स के लिए बिजनेस मीटिंग, सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स पहले से कहीं अधिक सुगम होंगे। यह मार्ग एक संभावित आर्थिक कॉरिडोर के रूप में उभरेगा जो उद्योग शिक्षा और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। एक्सप्रेस-वे के चालू होने के बाद आईआईटी कानपुर और लखनऊ के प्रमुख शैक्षणिक और प्रबंधन संस्थानों के बीच सहयोग और मजबूत होने की संभावना है। डीप टेक आईओटी और उन्नत तकनीक

आधारित स्टार्टअप्स के लिए संयुक्त कार्यक्रमों को गति मिलेगी। इससे नए उद्यमियों को मेंटरशिप निवेश और तकनीकी संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर के आसपास मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स आधारित क्लस्टर्स विकसित किए जाने की योजना है। भविष्य में इस क्षेत्र में आईटी पार्क, विशेष आर्थिक क्षेत्र और औद्योगिक नोड्स स्थापित होंगे। इससे टेक मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में स्टार्टअप्स को तेजी से विस्तार का अवसर मिलेगा। योगी आदित्यनाथ सरकार की इंफ्रास्ट्रक्चर केंद्रित नीतियों के चलते एक्सप्रेस-वे के निर्माण के बाद निवेशकों का भरोसा और मजबूत होने की संभावना है। लखनऊ को उत्तर भारत के एक प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स और उच्च वेतन वाली नौकरियों के सृजन को गति मिलेगी।

पीबीसीए में सजी 'मैजिकल एडिबल क्रिसमस विलेज' भव्य लाइटिंग सेरेमनी के साथ हुआ अनावरण

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। पंकज भदौरिया क्यूलिनरी अकादमी (पीबीसीए) में क्रिसमस के अवसर पर एक अनोखा और भव्य आयोजन देखने को मिला, जहां अकादमी के बेकरी स्टूडेंट्स द्वारा तैयार की गई 'मैजिकल एडिबल क्रिसमस विलेज' का भव्य लाइटिंग सेरेमनी के साथ अनावरण किया गया। इस विशेष की फ़ेस्टिव प्रस्तुति को देश की प्रसिद्ध शेफ और मास्टरशेफ पंकज भदौरिया के मार्गदर्शन में तैयार किया गया। इस अवसर पर मास्टरशेफ पंकज भदौरिया ने कहा, ल्लयह एडिबल क्रिसमस विलेज केवल एक सजावटी संरचना नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों की कल्पनाशीलता, मेहनत और प्रोफ़ेशनल ट्रेनिंग का उत्सव है। पीबीसीए में हम हैंड्स-ऑन और एक्सपीरिएंशियल लर्निंग पर जोर देते हैं और यह प्रोजेक्ट उसी सोच को दर्शाता है वहीं पीबीसीए के शेफ सोनालिका ने कहा, ल्लइस प्रोजेक्ट के माध्यम से छात्रों ने न केवल अपनी तकनीकी दक्षता दिखाई है, बल्कि टीमवर्क, प्लानिंग और प्रेजेंटेशन स्किल्स का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। ऐसे लाइव प्रोजेक्ट्स छात्रों को इंडस्ट्री-रेडी बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।ङ्क पूरी तरह खाने योग्य यह क्रिसमस विलेज छात्रों की रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और टीमवर्क का जीवंत उदाहरण है। इस प्रस्तुति में जिंजरब्रेड हाउसेज, चॉकलेट स्ट्रक्चर्स, शुगर आर्ट फिगरिन्स और हाथ से बनाए गए फ़ेस्टिव डेकोर को बेहद कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान जब पूरी क्रिसमस विलेज एक साथ रोशनी से जगमगा उठी, तो पूरा परिसर उत्सव और उल्लास से भर गया। यह पल कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसे उपस्थित अतिथियों और छात्रों ने विशेष रूप से सराहा। कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष क्रिसमस हाई टी का भी आयोजन किया गया, जिसे पीबीसीए के एक अन्य बेकरी बैच द्वारा तैयार किया गया। इसमें लाइव तैयार की गई पेस्ट्रीज, ब्रेड्स, कुकीज और अन्य फ़ेस्टिव डिलाइट्स शामिल रहीं, जिन्हें मेहमानों ने खूब सराहा। इस अवसर पर होटल और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़े कई प्रतिष्ठित प्रोफ़ेशनल्स, जिनमें एग्जीक्यूटिव शेफ्स, बेकर्स, एफ एंड बी मैनेजर्स और होटल ट्रेनिंग हेड्स शामिल थे, मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति ने छात्रों को इंडस्ट्री की अपेक्षाओं और प्रोफ़ेशनल मानकों को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया। पीबीसीए अपने प्रोफ़ेशनल डिप्लोमा और क्यूलिनरी प्रोग्राम्स के माध्यम से लगातार छात्रों को वास्तविक दुनिया की ट्रेनिंग और मंच प्रदान कर रहा है, ताकि वे भविष्य में सफल शेफ्स और बेकर्स के रूप में इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना सकें।

मुस्लिम परिवार के पच्चीस लोगों के बदल गए एसआईआर फॉर्म में नाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजीपुर का मामला गरमाया

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। प्रक्रिया पूरी करने की आखिरी तारीख दो हफ्ते आगे बढ़ा दी गई है। पहले प्रक्रिया को पूरा करने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी। प्रक्रिया में 2003 की वोटर लिस्ट को आधार बनाया गया है यानि की 2003 की वोटर लिस्ट में जिन लोगों का नाम शामिल होगा, उन लोगों का आसानी से एसआईआर कराया जा सकता है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एसआईआर में एक बड़ी खामी देखने को मिली, जहां एक परिवार ने समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष के माध्यम से निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की कि 2003 की वोटर लिस्ट में उनके परिवार का पूरा नाम है और उन्हें एसआईआर का फॉर्म भी मिला हुआ है, लेकिन मैपिंग की जगह पर किसी और का नाम आ रहा है, जिसकी वजह से उनके पूरे परिवार का एसआईआर नहीं हो पाया।

गाजीपुर जिले के निर्वाचन कार्यालय में शनिवार को समाजवादी पार्टी एसआईआर से जुड़ी बड़ी गड़बड़ी को लेकर पहुंची, जिसमें बूथ नंबर 208 जो अरमान अली का परिवार है और वह बूथ लेवल एजेंट भी हैं।उनके परिवार में करीब 25 मुस्लिम सदस्य हैं और सभी लोग कई सालों से रहते आ रहे हैं।2003 की वोटर लिस्ट में भी इन सभी लोगों का नाम है और इन लोगों को बीएलओ की तरफ से एसआईआर प्रपत्र भी मिला हुआ था। 2003 के लिस्ट से मिलान करते हुए पूरे प्रपत्र को भरते हुए अपने बीएलओ को सौंप भी दिया।बीएलओ ने उन सभी फॉर्म की जब मैपिंग करना शुरू की, तब पता चला कि प्रपत्र पर इन लोगों का नाम है, लेकिन मैपिंग में उन लोगों का नाम नहीं शो कर रहा, गैर-मुस्लिमों का नाम शो कर रहा है। पूरा परिवार परेशान है। अब इस समस्या को लेकर वह समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचे जहां पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता शौर्या सिंह ने उनकी बातों को गहनता से सुना और फिर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष गोपाल यादव और राष्ट्रीय प्रवक्ता शौर्या सिंह ने इस संबंध में अपर निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार से समस्या को लेकर बात की। अपर निर्वाचन अधिकारी ने सभी लोगों को लिखित में अपने कार्यालय बुलाया और समस्याओं को समझ कर दुरुस्त करने का आश्वासन दिया।

पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन लोगों ने पूरा फॉर्म भरकर अपने बीएलओ को दे दिया था और कई दिन बीत जाने के बाद बीएलओ ने उन सभी लोगों को फॉर्म वापस कर एसडीएम या जिलाधिकारी से मिलकर इसे दुरुस्त करने की बात कही। अपर निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि कहीं-कहीं रेयर केस में इस तरह के मामला सामने आते हैं। ऐसे मतदाताओं को एडिट करने का ऑप्शन होता है, जिसे सही कर लिया जाता है। एक-दो बूथ पर भी इस तरह की समस्या आती है, जैसा कि सैदपुर विधानसभा में भी ऐसा मामला आया था। उन्होंने स्वीकार किया कि जब मैपिंग किया जाता है तो धर्म देखकर कोई कार्य नहीं किया जाता है और अगर गलत हुआ है तो उसे एडिट कर सही कर लिया जाएगा।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पारा थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान मैनपुरी जिले के ग्राम लैगांव निवासी जोगेंद्र यादव (20) के रूप में हुई है। वह और उसके बुआ का लड़का अमित कुमार वर्तमान में सरोसा भरोसा मोड़ के पास किराए के मकान में रहकर हाइड्रा गाड़ी चलाता था। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार देर रात को जोगेंद्र ने मौंदा मोड़ मोहान रोड, आगरा एक्सप्रेस-वे नहर के पास स्थित राकेश रावत के प्लॉट में लगे आम के पेड़ से हाइड्रा गाड़ी में प्रयोग होने वाले पट्टे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

सूचना मिलते ही थाना पारा पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में शव को नीचे उतरवाया। मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए और विधिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई।

बीबीएयू शोधकर्ताओं ने विकसित किया स्मार्ट ब्रीथ सेंसर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के भौतिक विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने गैर-इनवेसिव डायबिटीज मॉनिटरिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। विभाग की डॉ. मोनू गुप्ता ने प्रो. बी. सी. यादव के मार्गदर्शन में एक नया पेपर-आधारित स्मार्ट ब्रीथ सेंसर विकसित किया है, जो सांस में मौजूद एसीटोन की पहचान करने में सक्षम है।

शोधकर्ताओं द्वारा विकसित यह सेंसर एक नवीन नैनोकॉम्पोज़िट तकनीक पर आधारित है, जो एक्सहेल्ड ब्रीथ में पाए जाने वाले एसीटोन का पता लगाता है। एसीटोन को डायबिटीज और अन्य मेटाबॉलिक विकारों का एक मान्यता प्राप्त बायोमार्कर माना जाता है। यह तकनीक रक्त जांच के बिना, पूरी तरह गैर-इनवेसिव तरीके से रोग की निगरानी का एक आशाजनक विकल्प प्रस्तुत करती है। यह सेंसर

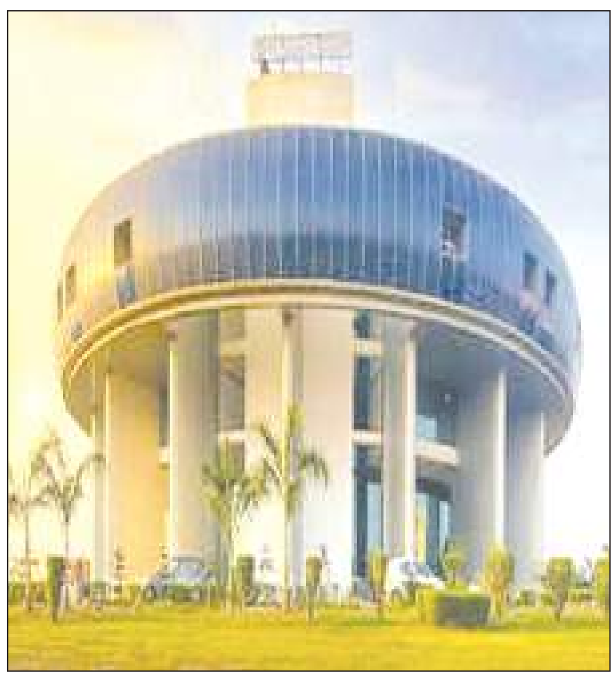

मोलिब्डेनम ट्राइऑक्साइड (MoO3) और Nb2CTx MXene के विशिष्ट संयोजन पर आधारित है, जो कम सांद्रता पर भी एसीटोन के प्रति उच्च संवेदनशीलता और चयनात्मकता प्रदर्शित करता है। शोध के अनुसार, यह उपकरण पर्यावरणीय नमूनों के साथ-साथ मानव श्वास में मौजूद एसीटोन की पहचान करने में सक्षम हो सकता है। इस शोधकार्य को अमेरिकन केमिकल सोसाइटी द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल एप्लाइड इंजीनियरिंग मैटेरियल्स में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है, जिसे विश्वविद्यालय और शोध समुदाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने इस सफलता पर पूरी शोध टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह शोध कम लागत, पोर्टेबल और गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक तकनीकों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में डायबिटीज और अन्य मेटाबॉलिक रोगों की नियमित ब्रीथ-बेस्ड मॉनिटरिंग को संभव बना सकता है। इस अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी शोध टीम को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रात में घर में घुसकर अधेड़ ने लड़की को दबोचा, चिल्लाने पर जागे घरवाले

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र के एक गांव में अधेड़ ने अपने मोहल्ले की 13 साल की लड़की को रात में दबोच लिया। वह रात के 2 बजे उसके घर पहुंच गया। जैसे ही उसने लड़की को दबोचा, लड़की चिल्लाने लगी। शोर से घरवाले जाग गए जिससे डरकर युवक छत से कूद गया। इससे उसके शरीर में गंभीर चोटें भी आ गईं। लड़की के चाचा ने बताया शनिवार-रविवार की बीच रात करीब 2 बजे सोनू सिंह घर में घुसकर बच्ची से जबरदस्ती करने लगा। घर के अंदर शोर सुनकर सभी लोग जाग गए। सोनू को पकड़ने के लिए दौड़ाया गया तभी पहली मंजिल से कूद गया। नीचे ई-रिक्शा खड़ा था जिस पर वह गिरा और घायल हो गया। इसके बाद उसके भाई और परिवार के सदस्य आए और उसको लेकर चले गए। इसके बाद थाने में जाकर हमने शिकायत दर्ज कराई।

कोडीन सिरप मामले में अखिलेश यादव के तंज को धनंजय सिंह ने बताया हास्यास्पद, कहा-गंभीरता से उठाएं मुद्दा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के नेता और पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कोडीन कफ सिरप की अवैध बिक्री मामले को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के 'कोडीन भैया' वाले तंज को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को ऐसे मुद्दों को गंभीरता से और समुचित जांच-परख के बाद उठाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में प्रतिबंधित कोडीन आधारित कफ सिरप की तस्करी और बिक्री पर कार्रवाई और ऐसे सिरप के अवैध उत्पादन व वितरण में शामिल एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच से राज्य में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। विपक्षी दल इस मामले में आरोपियों को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों के पदाधिकारियों से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कोडीन कफ सिरप मामले के एक आरोपी की धनंजय सिंह के साथ कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे। सपा प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हाल में सिंह का नाम लिए बिना उन्हें जौनपुर के 'कोडीन भैया' कहा था। धनंजय सिंह ने बातचीत में कहा, ल्लअखिलेश यादव मुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में होंगे। जब ऐसा व्यक्ति कोई मुद्दा उठाता है तो उसे पहले पूरी पड़ताल करनी चाहिए। 'कोडीन भैया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके गंभीर मुद्दे को व्यंग्य या मजाक में बदलना उचित नहीं है।'' सिंह ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग द्वारा इस शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन मामले को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ल्लकोडीन आधारित कफ सिरप से जुड़ा प्रकरण एक गंभीर मामला है। यह धनशोधन या जरूरत से ज्यादा भंडारण से संबंधित है। यह एक अंतरराज्यीय मामला है, और हमने सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग की है। ईडी की जांच कथित तौर पर पहले ही शुरू हो चुकी है और सच्चाई सामने आएगी। पूर्व सांसद ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश में सिरप मामले का मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 'कोलड्रिफ' कफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मौत से कोई संबंध नहीं है। कोडीन कफ सिरप मामले में खुद से कथित तौर पर जुड़े कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी पर धनंजय सिंह ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक जीवन लोगों को कई व्यक्तियों के संपर्क में लाता है, लेकिन हर व्यक्ति के कामों की जिम्मेदारी लेना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, ल्लअक्सर माता-पिता को भी पता नहीं होता कि उनके बच्चे क्या कर रहे हैं। गिरफ्तार किए गए कुछ लोग मुझे बचपन से जानते हैं और उनके साथ पारिवारिक संबंध हैं, लेकिन मैं उनके कामों के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकता।ङ्क अखिलेश यादव द्वारा किए गए व्यक्तिगत हमलों पर जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि एक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर यादव को जिम्मेदारी से मुद्दे उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, ल्लअगर कुछ गलत हुआ है, तो कार्रवाई होनी चाहिए। मैं दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का पूरा समर्थन करता हूं।ङ्क कोडीन सिरप मामले पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए सिंह ने दोहराया कि वह किसी भी नशीले पदार्थ के व्यापार में शामिल नहीं हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को अक्सर अंत में बोलने को मिलता है: मयंकेश्वर शरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को अक्सर अंत में बोलने को मिलता है। अंत में बोलने को कुछ नहीं बचता। आज इस समस्या में मैं फंस गया हूं। मंत्री लखनऊ पीजीआई के 42वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। यूपी के सबसे प्रीमियर चिकित्सा संस्थान लखनऊ एसजीपीजीआई आज अपना 42वां स्थापना दिवस मना रहा है। कैंपस में भव्य प्रोग्राम किया जा रहा है। इसमें स्वास्थ्य मंत्री डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह शामिल हुए। स्थापना दिवस का प्रतिष्ठित व्याख्यान, फाउंडेशन डे ओरेशन राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. अभिजात चंद्रकांत सेठ ने दिया। इस दौरान बेस्ट रिसर्च पेपर से जुड़े 40 से ज्यादा अवॉर्ड दिए गए। एसजीपीजीआई की नींव 14 दिसंबर 1980 में तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीवा रेड्डी ने रखी थी। 3 साल बाद यह ऑपरेशनल हो गया था। यूपी विधानमंडल में एक अधिनियम के तहत संस्थान का स्थापना वर्ष 1983 माना गया। निदेशक प्रोफ़ेसर आरके धीमन ने बताया एसजीपीजीआई में कुल 43 मेडिकल संस्थान हैं।

वर्तमान में 2272 बेड हैं। 350 से ज्यादा आईसीयू बेड हैं और 51 ऑपरेशन थिएटर हैं। 60 एडिशनल बेड को मंजूरी दी गई है जिससे क्रिटिकल केयर मेडिसिन में 100 बेड हो जाएंगे।

शादी में रसगुल्ले की मची लूट नपी समाज कल्याण अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का हाल

लखनऊ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कानपुर में आयोजित भव्य कार्यक्रम अव्यवस्थाओं की वजह से विवादों में घिर गया है। इस समारोह की बदइंतजामी का खामियाजा जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह को भुगतना पड़ा है।शासन ने एक्शन लेते हुए उन्हें कानपुर से हटाकर समाज कल्याण निदेशालय लखनऊ अटैच कर दिया है। उनकी जगह संभल में तैनात शिवम सागर को नया जिला समाज कल्याण अधिकारी बनाकर कानपुर भेजा गया है। कार्रवाई अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू के आदेश पर की गई।सीएसए परिसर में सामूहिक विवाह समारोह में 562 जोड़ों का विवाह और निकाह संपन्न हुआ था लेकिन कार्यक्रम के दौरान खाने-पीने की गंभीर कमी सामने आई, जिससे अफरातफरी मच गई। किसी को रोटी मिली तो सब्जी नसीब नहीं हुई, वहीं रसगुल्ले के लिए सबसे ज्यादा मारामारी देखी गई। भोजन को लेकर मचे हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद प्रशासन की किरकिरी होने लगी। ठेकेदार की ओर से सफाई दी गई कि भोजन की व्यवस्था 450 जोड़ों और उनके परिजनों के लिए थी। नवविवाहित जोड़ों को दिए जाने वाले उपहारों में भी खामियां पाई गईं। सीडीओ के निर्देश पर एडीएम सिटी के नेतृत्व में जांच समिति गठित की गई है। कार्यक्रम के महज दो दिन बाद ही शासन ने अव्यवस्थाओं का संज्ञान लेते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी को हटा दिया। ढाई करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद टेंडर प्रक्रिया की जांच न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। दो फर्मों को 2.50 करोड़ रुपये के टेंडर दिए गए थे, फिर भी व्यवस्थाएं चरमरा गईं। संबंधित फर्मों के खिलाफ न तो कोई रिपोर्ट दर्ज कराई गई और न ही टेंडर प्रक्रिया की जांच शुरू हुई। जांच सिर्फ अव्यवस्थाओं और सामान तक सीमित है, जिसे कई लोग महज खानापूर्ति मान रहे हैं। बताया गया है कि योजना के तहत 959 जोड़ों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें 635 जोड़ों का विवाह प्रस्तावित था, लेकिन अंततः 562 जोड़ों का ही विवाह हो सका। डीएम पहले ही शिल्पी सिंह के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति कर चुके थे। एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार के अनुसार जांच लगभग पूरी हो चुकी है और सोमवार तक रिपोर्ट सौंप दी जाएगी, टेंडर से जुड़े पहलुओं को जांच से बाहर रखा गया है।

दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक बेटियों के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रदेश के दलित वर्ग से 2.20 लाख से अधिक बेटियों को मिला योजना का लाभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर तबके, खासकर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। 2017 में शुरू हुई यह योजना आज न केवल इन वर्गों की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही है, बल्कि सामाजिक समरसता और समावेशिता को भी मजबूत कर रही है।

बीते आठ वर्षों में इस योजना के तहत चार लाख से अधिक गरीब कन्याओं की शादी योगी सरकार ने पूरे रीति-रिवाज और सम्मान के साथ कराई जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 57 हजार के लक्ष्य के सापेक्ष अबतक करीब 1.20 से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जिसमें करीब 14 हजार से अधिक गरीब कन्याओं की शादी संपन्न कराई जा चुकी हैं। विभागीय अधिकारियों की माने तो आने वाले दिनों में इस संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद है। इस योजना ने उन राजनीतिक दलों को कठघरे में खड़ा कर दिया है, जो लंबे समय तक पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की राजनीति के सहारे सत्ता का आनंद लेते रहे, लेकिन उनके लिए ठोस विकास कार्य करने में विफल रहे। विपक्ष की राजनीति को आइना दिखाते हुए, इस योजना ने यह साबित कर दिया है कि केवल वादों से नहीं, बल्कि ठोस कदमों से ही समाज का सशक्तीकरण संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह कदम न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा बन चुका है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आंकड़े यह स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लिए यह योजना कितनी प्रभावशाली साबित हुई है। अब तक इस योजना का सबसे अधिक लाभ दलित वर्ग ने उठाया है, जिसमें 2.20 लाख से अधिक गरीब परिवारों की बेटियों की शादी कराई

गई है। वहीं, पिछड़े वर्ग के 1.30 लाख परिवार और अल्पसंख्यक वर्ग के 40 हजार से अधिक परिवार इस योजना के लाभार्थी बने हैं। वहीं सामान्य वर्ग के करीब 16 हजार गरीब परिवारों ने अब तक सामूहिक विवाह योजना का लाभ लिया है। योजना के प्रभारी उपनिदेशक आर.पी. सिंह ने रविवार को बताया कि यह न केवल एक सामाजिक सहायता है बल्कि सामूहिक सहयोग, सामुदायिक भावना और महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने का प्रयास भी है। यह योजना न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की बेटियों की शादी का सपना पूरा कर रही है, बल्कि यह उन्हें सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही है। विवाह समारोह में हर जोड़े को एक लाख रुपये की मदद दी जाती है, जिसमें विवाह से जुड़ी आवश्यक सामग्री, वधू के खाते में नकद धनराशि और आयोजन की व्यवस्था शामिल होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने साढ़े सात वर्षों के कार्यकाल में बार-बार यह दिखाया है कि उनकी प्राथमिकता वंचित वर्गों को सशक्त बनाना है। इस योजना के माध्यम से वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रदेश के सभी वर्ग, विशेषकर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक, मुख्यधारा से जुड़े और उनके विकास के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। यही वजह है कि इस योजना के लिए योगी सरकार ने अब तक करीब 2,200 लाख रुपये से अधिक की धनराशि खर्च कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस मद में 550 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह जाति और धर्म की सीमाओं को पार कर सभी को समान अवसर प्रदान करती है। विवाह समारोह में धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है, चाहे वह हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई समुदाय का हो। यह पहल सामाजिक समरसता और भाईचारे का भी संदेश देती है।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद का निर्विरोध सदस्य निर्वाचित किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व् राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचन के अन्तर्गत प्रदेश भाजपा कार्यालय लखनऊ मे नामांकन उपरांत क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनुसूचित मोर्चा पीके वर्मा व् पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री को राष्ट्रीय एवं प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद का निर्विरोध सदस्य निर्वाचित किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता पीके वर्मा ने राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय और स्वयं अंतिम के सिद्धांत अनुसार भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदान किये गए इस नवीन उत्तरदायित्व को पूर्ण निष्ठा व् समर्पण भाव से निभाने का संकल्प लेते हुए, केंद्रीय नेतृत्व व् भाजपा उत्तर प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

आदर्श ग्राम पंचायत बांसा को मिला एक और तोहफा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

आदर्श ग्राम सभा प्रधान संपूर्णानंद

मल्लावाँ (हरदोई)। जिलाधिकारी अनुनय झा ने जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण मैनेजमेंट कमेटी के प्रस्ताव पर आदर्श ग्राम पंचायत बांसा को प्लास्टिक बेस्ट मैनेजमेंट यूनिट PWMU लगाने का किया अनुमोदन 16 लाख रुपया की लागत से लगेगी यूनिट जिसके लिए 4 लाख रुपया बजट भी जारी कर दिया गया है। ग्राम पंचायत बांसा में अब नहीं दिखेगी सिंगल यूज प्लास्टिक, इसी यूनिट के प्रशिक्षण हेतु बांसा के समाजसेवी प्रधान संपूर्णा नन्द पूनम सिंह को दो दिन के लिए एक्सपोजर विजिट पूरी टीम के साथ श्रावस्ती जनपद भेजा जा रहा है जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतो द्वारा किए गए नवीन उत्कृष्ट कार्यों से प्रेरणा लेकर अन्य ग्राम पंचायतों को विकसित किया जा सके।

ग्राम प्रधान संपूर्णानंद ने बताया कि हमने सदैव समाज सेवा की ही भावना से गांव की सेवा की है जिसका नतीजा है कि आज हमारी ग्राम पंचायत बांसा आदर्श ग्राम सभा बन चुकी है और नित्य प्रति सरकार द्वारा इस प्रकार के कई प्रोजेक्ट मिलते जा रहे हैं अब इसी गांव से प्रेरणा लेकर अन्य ग्रामों में भी कार्य किया जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि ग्राम में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की व्यवस्था में कोई भी कमी न रहने पाए।

पोस्टमास्टर का बेटा बना लेफ्टीनेंट

ट्रेनिंग के दौरान यश शुक्ला

भरावन (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम भोगीपुर निवासी, ग्राम छावन डाकघर के पोस्टमास्टर आदित्य शुक्ला के पुत्र यश शुक्ला का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। इंडियन मिलिट्री एकेडमी देहरादून में ट्रेनिंग पूरी कर घर लौटने पर खुशियों का माहौल है। पिता आदित्य शुक्ला मां सुनीता शुक्ला का कहना है कि मातृभूमि की सेवा में जाकर बेटे ने गौरव बढ़ाया है। आदित्य शुक्ला ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने बाबा दयाशंकर शुक्ला और शिक्षक मामा सितांशू पाण्डेय को देते हुए बताया कि बाबा ने ही सेना जाने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षक संघ का विवाद हुआ हल, हर्ष में डूबे शिक्षक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ, का जो

विवाद चल रहा था उसका पटाक्षेप हो गया है सुशील कुमार पांडे और उनके कार्य समिति को रजिस्ट्रार चित फंड पटना बिहार द्वारा अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के रजिस्टर्ड कार्यालय एग्जिबिशन रोड पटना बिहार एवं कैंप कार्यालय जनकपुरी नई दिल्ली को वैध माना गया और रजिस्ट्रार द्वारा सुशील कुमार पांडे के पक्ष में पत्र जारी किया गया इससे पूरे देश के शिक्षकों में एक खास के लहर दौड़ गई जनपद हरदोई के जिला अध्यक्ष आलोक मिश्रा को सुशील कुमार पांडे की कमेटी में राष्ट्रीय सचिव निर्वाचित किया गया था उनको भी चिट फंड की विधि की मान्यता प्राप्त हुई है जिससे जिले में हर्ष है सभी शिक्षकों ने एक स्वर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे को बधाई दी और अपेक्षा की गई कि देश में टीईटी सहित जो तमाम मुद्दे लम्बित हैं उन पर ध्यान देंगे। बधाई देने वालों में महेंद्र प्रताप सिंह, आशीष दीक्षित, अभिषेक गुप्ता, शोभित शुक्ला, नरेंद्र शर्मा, नीलिमा देशवाल, रीना राणा, बीना वर्मा, सिद्धार्थ पांडे, अनुराग पांडे अवधेश यादव, रविंद्र यादव, सुनीत तिवारी, अनूप दीक्षित, मनीष राठौर, राघवेंद्र शर्मा हरिशंकर एवं सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने भी बधाई दी।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध घायल

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। साइकिल से डीजल लेने जा रहे

वृद्ध को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से घायल को सीएचसी ले गए जहां उसका उपचार चल रहा है। कस्बे के मोहल्ला पश्चमी पटेल नगर निवासी निजामुद्दीन पुत्र अलीजान ने ने कहा कि उसके पिता अलीजान (60) पुत्र सद्दीक रविवार की सुबह 10 बजे साइकिल से डीजल लेने जा रहै थे। बिलग्राम मार्ग रुदामऊ क्रासिंग के पास माधौगंज की ओर से आरहे आज्ञात बाइक चालक ने पीछे से साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पिता घायल हो गए। सूचना पर पहुँचे परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

शहीद उद्यान परिसर में शोक सभा का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गोविन्द वृद्ध जन सेवा एवं गौ विज्ञान समिति का कम्बल वितरण कार्यक्रम संस्था संरक्षक अशोक कुमार गुप्ता (बघौली वाले) के निधन होने के कारण स्थगित किया गया एवं उनके देहांत पर शोक व्यक्त करने हेतु शहीद उद्यान परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया जहाँ पर उपप्रबंधक सोनू गुप्ता ने बताया कि यह सूचित करते हुए हमें गहरा दुःख हो रहा है कि हमारे प्रिय/संस्था के सम्मानित संरक्षक अशोक गुप्ता जी का निधन को हो गया है। अशोक गुप्ता संस्था श्री गोविन्द वृद्ध जन सेवा एवं गौ विज्ञान समिति परिवार के लिए पूर्णतःया समर्पित थे। उनके निधन से हमारी संस्था एवं समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके निधन से उत्पन्न रिक्तता को भरना कठिन है। इस दुःख की घड़ी मेंए हम शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और साहस प्रदान करें। इस दुःखद अवसर पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए समस्त संस्था परिवार ने एकत्रित होकर 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की और उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं संस्था उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता, उपप्रबंधक सोनू गुप्ता, विधिक सलाहकार दिलीप गुप्ता, गोपाल गौशाला अध्यक्ष संदीप गुप्ता, प्रकृति प्रेमी रमेश गुप्ता, महिला अध्यक्ष विनीता पाण्डेय, महिला उपाध्यक्ष अनीता मिश्रा सदस्य सौरव गुप्ता, दाताराम गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, सुधा गुप्ता, कंचन गुप्ता, संजू श्रीवास्तव, आरती गुप्ता, विजयलक्ष्मी पाण्डेय, मीनू सैनी, रश्मि गुप्ता आदि लोगों ने संस्था में उनके योगदान को बारी बारी से याद किया, और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै विनीता सिंह पत्नी राकेश सिंह, पता- सुम्बाबाग महतवाना सण्डीला, हरदोई की निवासिनी हूं। पूर्व में मेरा नाम अनीता सिंह था, जिसे बदलकर विनीता सिंह कर लिया है। अब दिनाँक- 12.12.2025 से मुझे विनीता सिंह के नाम से जाना पहचाना जाय। आज से अनीता सिंह नाम से कोई वास्ता नहीं रहा और न ही भविष्य में होगा।

विनीता सिंह पत्नी राकेश सिंह
निवासी सुम्बाबाग महतवाना
संडीला हरदोई

सांसद खेल स्पर्धा महोत्सव का समापन सांसद द्वारा किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्थानीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय के तत्वाधान में आयोजित हुए दो दिवसीय सांसद खेल स्पर्धा का समापन एवं पुरस्कार वितरण सांसद जयप्रकाश रावतके द्वारा किया गया विजेता तथा उप विजेता खिलाड़ियों एवं उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि इस खेल स्पर्धा में जिस तरह खिलाड़ियों ने अपनी क्षमताओं का पूरे जोश के साथ प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए उन्हें यकीन है कि यह खिलाड़ी बहुत जल्द जिले का नाम प्रदेश व देश स्तर पर रोशन करेंगे। सांसद के द्वारा अभी हाल ही में जिले का नाम विभिन्न खेलों में रोशन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया जिसमें कृष्णा मिश्रा खेलो इंडिया फुटबॉल अनुपम पाल कॉमनवेल्थ पदक विजेता जूडो गौरव अवस्थी साउथ एशियन गेम्स स्वर्ण पदक विजेता जूडो विशाल सिंह खेलो इंडिया पहला गेम्स पिस्टल शूटिंग दिव्यांश वैष्णव खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, जिला व्यायाम शिक्षक कृष्ण बिहारी अवस्थी, जिला ओलंपिक संघ की सचिव पूनम तिवारी, सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति, एवं बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभागए महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जिला स्काउट गाइड तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज आदि का इस स्पर्धा मे विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ी एवं स्कूलो के छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

समाज सेविका शालिनी सिंह की नई पहल, मिशन शक्ति से महिलाओं को किया गया जागरूक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। समाज सेविका श्रीमती शालिनी सिंह के प्रयासों से हरपालपुर थाना क्षेत्र के बरनई चतरखा गाँव में एक नई सामाजिक पहल की शुरुआत की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य केंद्र और प्रदेश सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को गाँव के हर घर और हर परिवार तक पहुँचाना तथा लोगों को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से रूबरू कराना है।

इसी क्रम में रविवार को सरकार की मिशन शक्ति योजना के तहत मिशन शक्ति टीम द्वारा गाँव में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 50 से 100 महिलाओं एवं किशोरियों को महिला सुरक्षा, अधिकारों और आत्मरक्षा से जुड़ी जानकारियाँ दी गईं। टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में वे किस प्रकार सहायता प्राप्त कर सकती हैं और सरकार द्वारा उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं का कैसे लाभ उठा सकती हैं। इस अवसर पर समाज सेविका शालिनी सिंह के साथ संस्था के सदस्य सर्वेन्द्र, पुष्पेन्द्र, जितेन्द्र, राजू, हिमांशु, भीम, आदेश, मदनपाल, सर्वेश, पप्पू, भुरे सहित अनेक सम्मानित ग्रामीण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं और किशोरियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर में चलाया गृह संपर्क अभियान

गृह संपर्क अभियान करते स्वयं सेवक — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा नगर के कई वार्डों में गृह संपर्क अभियान चलाया गया! जिसमें मां भारती के चित्र सहित पत्रक वितरण किए गए!

अभियान में लोगों के घर घर जाकर सामाजिक समरसता नागरिक कर्तव्यों समेत संघ ने अपने पं च परिवर्तन से परिचय कराया, जिसमे सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन आदि के विषयों को विस्तार से समझाया! गृह संपर्क की टोली का लोगों ने अपने घरों में स्वागत किया एवं इस पुनीत कार्य के लिए टोली के सदस्यों का आभार प्रकट किया! गृह संपर्क अभियान में कछौना खंड प्रचारक पुनीत, कौशलेंद्र, अनूप, मृगेंद्र, शांतनु, नरेश, अश्विनी व आलोक सहित कई संख्या में स्वयं सेवक मौजूद रहे!

सत्ता की आड़ में भूमाफियाओं का आतंक, भाजपा बूथ अध्यक्ष की जमीन पर कब्जे का आरोप

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सत्ता से जुड़े भूमाफियाओं पर भाजपा बूथ अध्यक्ष की जमीन पर अवैध कब्जा करने और विरोध करने पर पूरे परिवार को प्रताड़ित कराने का गंभीर आरोप सामने आया है। मामला शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के बुधबाजार इलाके का बताया जा रहा हैए जहां पीड़ित परिवार ने पुलिस पर भी भूमाफियाओं का साथ देने के आरोप लगाए हैं। बुधबाजार भाजपा बूथ अध्यक्ष रामकरन कुशवाहा का कहना है कि जिस भूमि पर उनका और उनके परिवार का करीब पांच दशकों से कब्जा हैए उसी जमीन को लेकर सरकन्ने और शैलेंद्र मिश्रा उर्फ बाबा द्वारा कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित के अनुसार उक्त जमीन का विवाद न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बावजूद दबाव बनाकर कब्जा कराया जा रहा है। आरोप है कि भूमाफियाओं ने पहले परिवार द्वारा वर्षों से उपयोग किए जा रहे सरकारी शौचालय को तोड़ दिया। जब इसका विरोध किया गया तो पुलिस को बुला लिया गया। मौके पर पहुंची शाहाबाद पुलिस पर आरोप है कि उसने भूमाफियाओं के इशारे पर भाजपा बूथ अध्यक्ष के परिवार के सदस्यों को घर से उठाकर कोतवाली ले गई। पीड़ित परिवार के प्रमोद कुशवाहा, रामनिवास, पूजा, अरुणाती, रीना सहित अन्य महिलाओं ने आरोप लगाया कि थाने में पुरुषों और महिलाओं सभी के साथ मारपीट की गई। इस दौरान किसी की भी सुनवाई नहीं की गई। घटना से आहत भाजपा बूथ अध्यक्ष रामकरन कुशवाहा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन को वीडियो जारी कर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर भूमाफियाओं और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्र में आक्रोश है और लोगों की नजर अब प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

बचे बचपन

पश्चिमी देश, जिस सोशल मीडिया के गुणगान करते नहीं अघाते थे, अब उन्हें इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझ में आने लगी है। सुगबुगाहट तो ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक प्रतिबंधों को लेकर हो रही है, लेकिन इस दिशा में पहल करने का साहस आस्ट्रेलिया ने सुधारवादियों के दबाव में उठाया है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकार इसलिए वापस ले रहे हैं ताकि बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता की मानसिक शांति के अधिकार की रक्षा हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। साथ ही आस्ट्रेलिया के बच्चों को बचपन जीने का मौका देगा। आज दुनिया के तमाम देश मंथन कर रहे हैं यदि आस्ट्रेलिया यह पहल कर सकता है तो वे क्यों नहीं कर सकते। इनमें वे तमाम अभिभावक भी शामिल हैं जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिये सोशल मीडिया को जिम्मेदार मानते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में यदि सोशल मीडिया मंच 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट हटाने में असफल रहते हैं, तो उन्हें करीबन पांच करोड़ आस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना चुकाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है। आस्ट्रेलियाई सरकार क्रिसमस तक मूल्यांकन करेगी कि ये प्रतिबंध कितने कारगर साबित हुए हैं। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया की पहल ने पूरी दुनिया में सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखने की मुहिम को नई ऊर्ज़ा दे दी है। कमोवेश, भारत जैसे देश भी सोशल मीडिया की असामाजिकता का दंश झेल रहे हैं। इसमें बच्चों के साथ ऑनलाइन बुलिंग से लेकर ऑनलाइन ठगी तक के तमाम मामले गाहे-बगाहे सामने आते रहते हैं। विडंबना है कि आज सोशल मीडिया पर प्रसारित वयस्कों की सामग्री से बच्चे जाने-अनजाने में परिचित हो रहे हैं। वे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं। जिससे समाज में तमाम तरह की सामाजिक विकृतियां पैदा हो रही हैं। निस्संदेह, इससे आने वाले समय में घातक सामाजिक विद्रूपताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल, बच्चों के लगातार घंटों कथित सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से उनमें तमाम शारीरिक व मानसिक विसंगतियां पैदा हो रही हैं। उन्हें संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले निहित स्वार्थी तत्व दे रहे हैं। जो कि भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के घातक प्रभाव के चलते आज बच्चों के नायक बदल गए हैं। उनके आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने किशोरों में ब्रह्मचर्य के भारतीय मूल्यों को ताक पर रख दिया है। विडंबना यह है कि घंटों सोशल मीडिया पर बैठे रहने वाले बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। जिससे उनमें मोटापा व अनेक गैर संक्रामक रोग पनप रहे हैं। वे किशोर अवस्था में मधुमेह आदि उन रोगों के शिकार बन रहे हैं जो कभी बड़ी उम्र के लोगों को हुआ करते थे। इस संकट का एक घातक पहलू यह भी है कि मोबाइल पर लगातार सोशल मीडिया के कार्यक्रम स्क्रॉल करने वाले बच्चों की मानसिक एकाग्रता बाधित हो रही है। जाहिर है इसका प्रभाव उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ेगा। एक समय दुनिया के तमाम देशों में जिन भारतीय प्रतिभाओं का डंका बजता था, शायद भविष्य में ऐसा न हो। घंटों सोशल मीडिया पर बिताने वाले छात्रों से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे अपनी पढ़ाई के लिये पूरी तरह एकाग्र हो सकेंगे। निरंतर कल्पना लोक में विचरण करने वाले बच्चे जब जीवन की हकीकत से जूझते हैं तो टूटने-बिखरने लगते हैं। गाहे-बगाहे आत्महत्या करने वाले किशोरों के डेटा का यदि गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो निश्चित रूप से हम सोशल मीडिया के घातक प्रभाव की हकीकत से रूबरू हो सकते हैं। आस्ट्रेलियाई पहल से सबक लेकर भारत के नीति-नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से पहल करनी चाहिए। इस दिशा में थोड़ी भी देरी की देश को भविष्य में बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकार इसलिए वापस ले रहे हैं ताकि बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता की मानसिक शांति के अधिकार की रक्षा हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। साथ ही आस्ट्रेलिया के बच्चों को बचपन जीने का मौका देगा। आज दुनिया के तमाम देश मंथन कर रहे हैं यदि आस्ट्रेलिया यह पहल कर सकता है तो वे क्यों नहीं कर सकते। इनमें वे तमाम अभिभावक भी शामिल हैं जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिये सोशल मीडिया को जिम्मेदार मानते हैं।

कार्य स्थल पर तनाव का बढ़ता संकट

डॉ प्रियंका सौरभ

आज की कार्यशैली 'ऑलवेज ऑन' मानसिकता पर आधारित है, जहाँ यह मान लिया जाता है कि कर्मचारी हमेशा उपलब्ध रहेंगे। पहले काम कार्यालय के दरवाज़े पर रुक जाता था; अब काम जेब में रखा मोबाइल बन गया है- हर पल साथ, हर पल सक्रिय। इस मनोवैज्ञानिक दबाव ने कर्मचारियों के तनाव स्तर, नींद की गुणवत्ता, पारिवारिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। कई अंतरराष्ट्रीय सर्वे बताते हैं कि लगातार डिजिटल उपलब्धता से बर्नआउट की दर तेज़ी से बढ़ती है और भारत जैसे देशों में यह प्रभाव अधिक तीव्र दिखाई देता है क्योंकि यहाँ कार्य-संस्कृति में 'अधिक काम करना' अक्सर 'अच्छा कर्मचारी' होने का पर्याय मान लिया गया है। राइट टू डिसकनेक्ट इसी असंतुलन को सुधारने का नैतिक और कानूनी प्रयास है।

भारत जिस तेज़ी से डिजिटल कार्य-संस्कृति की ओर बढ़ा है, उतनी ही तेज़ी से कर्मचारियों पर कार्य-संबंधी तनाव का बोझ भी बढ़ा है। स्मार्टफोन, ईमेल, टीम कम्युनिकेशन ऐप्स और वर्क-फ्रॉम-होम मॉडल ने कार्य और निजी जीवन की रेखा लगभग मिटा दी है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' न केवल कानूनी प्रयास है, बल्कि आधुनिक कार्य-संस्कृति के लिए भावी नैतिक व्यवस्था भी। इस बिल का मूल उद्देश्य सरल है- कर्मचारी को उसके कार्य समय के बाद डिजिटल तरीकों से काम से जोड़ने की बाध्यता को सीमित करना। किन्तु भारत जैसा विशाल, विविध और प्रतिस्पर्धी श्रम-परिदृश्य इस अधिकार के वास्तविक क्रियान्वयन को जटिल बनाता है। दरअसल, आज की कार्यशैली 'ऑलवेज ऑन' मानसिकता पर आधारित है, जहाँ यह मान लिया जाता है कि कर्मचारी हमेशा उपलब्ध रहेंगे। पहले काम कार्यालय के दरवाज़े पर रुक जाता था; अब काम जेब में रखा मोबाइल बन गया है- हर पल साथ, हर पल सक्रिय। इस मनोवैज्ञानिक दबाव ने कर्मचारियों के तनाव स्तर, नींद की गुणवत्ता, पारिवारिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। कई अंतरराष्ट्रीय सर्वे बताते हैं कि लगातार डिजिटल उपलब्धता से बर्नआउट की दर तेज़ी से बढ़ती है और भारत जैसे देशों में यह प्रभाव अधिक तीव्र दिखाई देता है क्योंकि यहाँ कार्य-संस्कृति में 'अधिक काम करना' अक्सर 'अच्छा कर्मचारी' होने का पर्याय मान लिया गया है। राइट टू डिसकनेक्ट इसी असंतुलन को सुधारने का नैतिक और कानूनी प्रयास है। यह बिल कर्मचारियों को यह अधिकार देता है कि वे निर्धारित कार्य समय के बाद ईमेल, संदेश या कॉल का उत्तर देने के लिए बाध्य न हों। यह अवधारणा कई यूरोपीय देशों में कानूनी हकीकत बन चुकी है और इससे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं- उच्च उत्पादकता, संतुलित मानसिक स्वास्थ्य और कम कर्मचारी पलायन। भारत में भी यह कदम कर्मचारी कल्याण के लिए महत्वपूर्ण आधार बना सकता है। इस अधिकार का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा है। लगातार जुड़े रहने से मस्तिष्क को विश्राम नहीं मिल पाता, जिससे तनाव हार्मोन लगातार सक्रिय रहते हैं। अनेक अध्ययनों में पाया गया है कि डिजिटल अधिभार के कारण नींद की गुणवत्ता घटती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और दीर्घकालीन स्वास्थ्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। भारत के आईटी और बीपीओ क्षेत्र में विशेष रूप से यह समस्या गहरी है, जहाँ समय-क्षेत्र (टाइम जोन) आधारित काम की प्रकृति के कारण कर्मचारी अक्सर देर रात तक उपलब्ध रहने को मजबूर होते हैं। यदि इस बिल को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो यह मानसिक शांति, व्यक्तिगत समय और पारिवारिक जीवन को संरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा। कार्य-जीवन संतुलन इस बिल की दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है। भारत की युवा कार्यशक्ति अत्यधिक महत्वाकांक्षी है, परंतु अनियंत्रित कार्य-समय उसके व्यक्तिगत विकास, सामाजिक संबंधों और शारीरिक स्वास्थ्य को क्षति पहुँचा रहा है। 'राइट टू डिसकनेक्ट' कर्मचारियों को यह सुरक्षा देता है कि उनके पास अपने लिए सुरक्षित समय होगा, जो किसी भी आधुनिक समाज की उत्पादक क्षमता के लिए बुनियादी शर्त है। विश्राम पाकर कर्मचारी केवल खुश नहीं होते बल्कि अधिक रचनात्मक, अधिक सतर्क और अधिक उत्पादक भी बनते हैं। कानूनी दृष्टि से यह बिल एक महत्वपूर्ण शून्य को भरता है। भारत के मौजूदा श्रम कानून अभी तक डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। इस बिल के लागू होने से एक औपचारिक ढाँचा तैयार होगा, जिसमें यह स्पष्ट हो पाएगा कि नियोक्ता की अपेक्षाएँ कार्य-समय के बाहर कितनी वैध हैं। इससे श्रमिक अधिकारों को मजबूती मिलेगी और कार्यस्थलीय शोषण की कई अनदेखी समस्याओं पर अंकुश लगेगा। हालाँकि, इस बिल की राह उतनी आसान नहीं है जितनी नज़र आती है। भारत की कार्य-संस्कृति स्वभावतः विविध है- बड़ी कंपनियों से लेकर छोटे स्टार्टअप, औपचारिक क्षेत्रों से लेकर लाखों अनौपचारिक और गिग वर्कर तक-सभी की कार्य-जरूरतें अलग-अलग हैं। एक समान नियम सभी क्षेत्रों पर लागू करना व्यवहारिक चुनौती बन सकता है। विशेषकर लघु व मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) में, जहाँ कर्मचारियों की संख्या कम और कार्य का बोझ अधिक होता है, बिल को लागू करना नियोक्ता के लिए कठिन हो सकता है। सबसे बड़ी जटिलता भारत के आईटी क्षेत्र में उभरती है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के कारण समय-सीमाएँ वैश्विक होती हैं। काम का स्वभाव ही ऐसा है कि कई बार कर्मचारियों को नियमित कार्य-समय से बाहर मीटिंग या ईमेल का उत्तर देना आवश्यक होता है। इसी तरह, पत्रकारिता, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएँ, परिवहन और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में 247 उपलब्धता नौकरी का मूल हिस्सा है। इन स्थितियों में 'राइट टू डिसकनेक्ट' का शत-प्रतिशत अनुपालन संभव नहीं है। इसलिए यह बिल तभी प्रभावी होगा जब इसे लचीले क्षेत्र-विशिष्ट दिशा-निर्देशों के साथ लागू किया जाए। एक अन्य चुनौती भारतीय कॉर्पोरेट संस्कृति में निहित है- यहाँ कर्मचारी का मूल्यांकन अक्सर उसकी उपलब्धता से जोड़ा जाता है। कई कर्मचारी आशंका में रहते हैं कि वे यदि ऑफ-ड्यूटी संदेशों या कॉल का उत्तर नहीं देंगे तो उनकी छवि खराब होगी या करियर प्रभावित होगा। यह समस्या भय और दबाव की संस्कृति को जन्म देती है, जिसे बदलने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं; बल्कि मानसिकता में दीर्घकालीन बदलाव आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, तकनीकी दृष्टि से यह भी चुनौतीपूर्ण है कि नियोक्ता किस हद तक कर्मचारियों के डिजिटल उपकरणों की निगरानी कर सकते हैं। यदि कंपनियाँ निगरानी बढ़ाती हैं तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कर सकती है। इसलिए बिल के साथ डिजिटल गोपनीयता के स्पष्ट मानक भी अनिवार्य होंगे। इन चुनौतियों के बावजूद, यह बिल कर्मचारी कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसका वास्तविक प्रभाव तब दिखेगा जब कंपनियाँ इसे केवल 'अनुपालन' के रूप में न देखें बल्कि इसे मानव-केंद्रित कार्य-संस्कृति का आधार बनाएं। कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, नियोक्ताओं के लिए संतुलित दिशा-निर्देश और सरकार के लिए प्रभावी क्रियान्वयन तंत्र- ये तीन स्तंभ इस बिल को सफल बना सकते हैं। यदि भारत मानसिक स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन को आधुनिक विकास का मूल मानता है तो यह बिल एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

सरदार पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद के किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा-सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की एकाग्रता और तन्मयता देख कर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया। वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी। सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया। अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता हुआ बचपन

ललित गर्ग

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है।

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को 'बचपन जीने का अधिकार' लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से। भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और वह भी तुरंत। भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में ढल गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की वह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी 'मांग' समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है। यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन को बचाइए-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

पालिकाध्यक्ष ने दो बूंद पोलियों की ड्राप पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। रविवार को सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान का शुभारम्भ श्रीमती मालती बासू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, बांदा द्वारा पीपीसी स्थित बूथ में नवजात शिशुओं को दो बूंद पोलियों की ड्राप पिलाकर किया गया। डा. विजेन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बांदा द्वारा बताया गया कि सघन पल्स पोलियो अभियान रविवार को बूथ दिवस एवं 15 से 19 दिसंबर तक तक घर-घर भ्रमण कार्यक्रम चलाया जायेगा। 22 दिसंबर 25 को बूथ एवं घर-घर कार्य के दौरान पोलियो ड्राप से छूटे हुये बच्चों को बी टीम द्वारा पोलियो ड्राप पिलायी जायेगी। इस हेतु पूरे जनपद में 1018 बूथ बनाये गये है. 37 ट्रांजिट टीम एवं घर-घर भ्रमण हेतु 634 टीमें बनायी गयी हैं। अभियान में स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाडी व शिक्षा विभाग तथा स्वैच्छिक संगठन के कर्मचारी एवं पर्यवेक्षक लगाये गये हैं।

बांदा जिले में रविवार, 14 दिसम्बर 2025 को 0-5 वर्ष के नौनिहालों को पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाई गयी। बूथ दिवस हेतु 110737 बच्चों को पोलिया ड्राप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। माता-पिता से अपील की गयी की वह 0-5 वर्ष के बच्चों को अपने नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं। पोलियों की बीमारी से भारत मुक्त हो चुका है लेकिन पोलियो का वायरस पड़ोसी देशों में विद्यमान होने के कारण एहतियात के तौर पर हम कोई रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। डा. विजय शंकर केसरवानी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि 0 से 5 वर्ष तक के लगभग 293615 बच्चों को पोलियों की दवा पिलाया जाना है। आप सभी जनपद वासियों से चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अपील करता है कि हमारी पोलियो टीम को सहयोग दें तथा अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर लाकर पोलियो की दवा पिलाने का कष्ट करें ताकि हम अपने देश को पोलियो मुक्त रख सकें । इस मौके पर डा. किशन कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला पुरूष चिकित्सालय, बांदा, डा. सुनीता सिंह मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय, बांदा, डा. आरएन प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा. विजय शंकर केसरवानी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डा. श्याम सिंह जाटव, एसएमओ डब्लूएचओ, डा. नीरज गौतम, डा. मो. आरिफ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, अर्बन हेल्थ पोस्ट, कुशल यादव डीपीएम एनएचएम, श्रीमती राधा शर्मा, एआरओ (आरआई), संदीप पराशर, क्वार्डिनेटर जेएसआई, प्रेम पाल यूएचसी एनयूएचएम एवं अन्य विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे ।

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों का हुआ निशुल्क उपचार

बाँदा। चिल्ला रोड स्थित आराध्या नर्सिंग होम में रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चले इस शिविर में सैकड़ों गरीब मरीजों का निशुल्क उपचार किया गया। आराध्या नर्सिंग होम की डाक्टर अंकिता सिंह ने बताया कि बाँदा के गरीब मरीजों को ध्यान में रखते हुए इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था इस शिविर में महिलाओं से सम्बंधित बीमारियों और सर्दी जुकाम हुखार डायरिया शुगर बीपी आदि के एक सैकड़ा से ज्यादा मरीजो का उपचार हुआ है। इस शिविर में पर्चे की कोई फीस नहीं ली गई, मरीजों को जांच में 50 प्रतिशत और दवाओं में 20 प्रतिशत कई छूट दी गई है ।इस अवसर पर डाक्टर अंकिता सिंह ने कहा है कि वो प्रति दिन आराध्या नर्सिग होम में 11 बजे से एक बजे तक बैठती है और वो मरीजों से फीस नहीं लेतीं जो लोग आज शिविर में नहीं आ सके वो कभी भी 11 बजे से एक बजे के बीच आ सकते हैं। इस शिविर मे डाक्टर अंकिता सिंह के साथ यशवंत यादव, रचना वर्मा, ऋतुराज, रज़िया, सावित्री, मिलन, भरत पटेल, विपिन, वीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

समाज को नशा मुक्त, मांसाहार मुक्त बनाने में भगवती कल्याण संगठन अग्रसर: सौरभ दुवेदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नशेड़ी दूल्हे से शादी के इनकार करने पर केंद्रीय पदाधिकारियों ने संजू वर्मा को दी शाबाशी
- कस्बे में आयोजित दुर्गा चालीसा पाठ के समापन पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

पैलानी /बांदा । पैलानी कस्बे में स्थित एक लॉज आयोजित भगवती कल्याण संगठन एवं पंच ज्योति शक्तितीर्थ के संयुक्त तत्वावधान मे समापन कार्यक्रम पर दुर्गा चालीसा पाठ एवं नशा मुक्ति जन जागरण अभियान में पहुंचे भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय महासचिव सिद्धाश्रम रत्न सौरभ द्विवेदी एवं मुख्य सचिव आशीष शुक्ला राजू भैया के कस्बे पहुंचते ही मौजूद सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाए तथा मौजूद पदाधिकारियों ने माला पहनाई । मौजूद हजारों देवी भक्तों ने दुर्गा चालीसा का पाठ कर आरती उतारी केंद्रीय महासचिव सौरभ द्विवेदी ने देवी भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने आप को पहचानों निराशा और आशा में आशा का चयन करो जो निराशावादी जीवन जीतता है वह आलशी व अकर्मण्य होता है जबकि आशावादी जीवन जीने वाला व्यक्ति कर्म करते हुए संघर्षो से पार निकलते हुए लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है। मानवता की सेवा धर्मरक्षा, राष्ट्र रक्षा,की भावना से ओत-प्रोत समाजसेवकों का चयन करने के लिए भारतीय शक्ति चेतना पार्टी का अभ्युदय हो चुका है जिसका लक्ष्य नशामुक्त, मांसाहार मुक्त व चरित्र वान समाज का निर्माण करना है। अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त बनाना ही पार्टी का लक्ष्य है। आगे कहा कि देश की जनता महंगाई की मार से कराह रही है महिलाएं असुरक्षित है किसान परेशान हैं युवा बेरोजगार है फिर भी शासन सत्ता में बैठे राजनेता झूठे वायदे करने में संकोच नहीं कर रहे हैं । कहा कि देश की जनता महंगाई की मार से कर रही है सु वहीं मुख्य सचिव आशीष शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि परम पूज्य सदुरुदेव शक्तिपुत्र जी महाराज की कृपा से नशा मुक्त भारत खुशहाल भारत का यह अभियान पूरे देश में चल रहा है आगे कहा की भारत को यदि विश्व गुरु बनाना है तो युवाओं को नशे से मुक्त करना ही होगा इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है आगे कहा कि संगठन ने देश भर में 172 जिलो में यह अभियान चला रखा है। 1997 से शक्ति पुत्र महाराज ने नशा मुक्त को लेकर अभियान छेड़ा था और यह अभियान लगातार 28 सालों से देश को नशा मुक्त बनाने के लिए अग्रसर है इस दौरान प्रदेश सचिव अलखराम तिवारी ने आए हुए देवी भक्तों का आभार व्यक्त किया आयोजक मंडली में मूलचंद पाल, गुलाबचंद कुशवाहा, पवन कुमार सोनी जिला अध्यक्ष सीताराम राजपूत , महेंद्र मिश्रा,डॉक्टर रमेश डॉक्टर नितिन कश्यप,उमेश चंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

भरवारी में विशाल हिन्दू सम्मेलन का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। हिन्दू समाज को जागृत करने के उद्देश्य से रविवार को कौशाम्बी जिले के भरवारी कस्बे में एक विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ। सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में हिन्दू समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाजन से अखंड भारत का निर्माण संभव नहीं है। समाज को ल्लवसुधैव कुटुंबकम्ङ्क की भावना के साथ एकजुट होकर रहना होगा, तभी अखंड भारत और अखंड समाज का निर्माण संभव हो सकेगा। वक्ताओं ने हिंदू समाज से आपसी मतभेद भुलाकर एकता के सूत्र में बंधने का आह्वान किया। नया बाजार भरवारी स्थित पूर्व में संचालित रही प्राइमरी पाठशाला के पास आयोजित उक्त सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में काशी प्रांत के प्रचारक रमेश जी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में चित्रकूट धाम के पूज्य संत मदन गोपाल जी महाराज एवं सनातन किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामंडलेश्वर कौशल्यानंदगिरी जी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज) के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर राजेंद्र जी रसराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूज्य सत्यशील मोहन मैत्रेय जी ने की तथा संचालन राम प्रकाश मिश्रा एडवोकेट ने किया। सम्मेलन में वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्र निर्माण में हिंदू समाज की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र और समाज की एकता के संकल्प के साथ किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रेम प्रकाश शर्मा, राजेश सिंह गौतम, अशोक केसरवानी व शुभम मिश्रा सहित काफी संख्या में पुरुष व महिलाएं उपस्थित रहीं।

संदीप साहू, पंकज वर्मा का लोको पायलट चयनित

बाँदा। दो छात्रों का लोको पायलट में चयन होने की खुशी में रविवार को बाँदा के ईदगाह रोड हुसैन गंज स्थित डिजिटल लाइब्रेरी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संदीप साहू, पुत्र बद्री प्रसाद साहू, निवासी ग्राम तेरा (ब), तहसील अतर्रा,तथा पंकज वर्मा, पुत्र रामसहाय, निवासी पनगरा, तहसील नरैनी पिछले कई वर्षों से हुसैन गंज की डिजिटल लायब्रेरी में अपनी तैयारी कर रहे थे उनकी मेहनत रंग लाई और संदीप साहू और पंकज वर्मा का लोको पायलट के पद पर चयन हो गया। इस चयन के बाद लायब्रेरी संचालक जैनुल अंसारी ने दोनों छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामेंद्र शर्मा (राष्ट्रीय शूटर/कोच, हार्पर क्लब) व डॉ? शेख सऊद उज़ ज़मा (सादी जमा) उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों में अमित सेठ भोलू, अरुण निगम, नवीन निगम, रहमान अली, अनस अंसारी, मीसम जैदी, अनवर जैदी, सलमान खान, रहीम चौधरी, तारिक भाई आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय कबड्डी चौंपियनशिप का भव्य समापन

खेल भावना बनी सबसे बड़ी विजेता

- स्टेट चौंपियनशिप लीग के फाइनल मुकाबला गौतमबुद्ध नगर ने जीता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद बांदा में आयोजित 52वीं सीनियर पुरुष राज्य स्तरीय कबड्डी चौंपियनशिप (ज़ोनदूबी) का समापन अत्यंत रोमांचक और यादगार क्षणों के साथ संपन्न हुआ। दो दिनों तक चले इस प्रतिष्ठित आयोजन ने बांदा के खेल प्रेमियों को थ्रिलिंग अनुभव दिए और जिले को राज्य स्तरीय कबड्डी मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई। सभी मुकाबले भागवत प्रसाद मेमोरियल अकैडमी, श्रीनाथ विहार, चिल्ला रोड, बांदा के खेल मैदान में आयोजित किए गए, जहाँ हर मैच के दौरान दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था। रेड, सुपर टैकल और आख़िरी पलों तक चले मुकाबलों ने दर्शकों को अंत तक बाँधे रखा। समापन समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक शिव राज जी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ बांदा के कई प्रख्यात एवं गणमान्य नागरिकों ने भी फाइनल मुकाबला देखा और खिलाड़ियों की सराहना की। प्रतियोगिता में विजेता टीम ह्णने पूरे जोश, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया। टीम का खेल न केवल तकनीकी रूप से मजबूत रहा, बल्कि उसमें स्पोर्ट्समैन स्पिरिट साफ झलकती रही, जिसके लिए उन्हें सभी दर्शकों और अधिकारियों से भरपूर सराहना मिली। जिला कबड्डी संघ, बांदा के अध्यक्ष श्री अंकित कुशवाहा, सचिव श्री कमल यादव एवं कोषाध्यक्ष श्री सुनील सक्सेना ने संयुक्त रूप से कहा कि इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि खेल भावना, आपसी सम्मान और अनुशासन पूरे टूर्नामेंट में सर्वोपरि रहे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन बांदा के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा और जिले में कबड्डी के भविष्य को नई दिशा देगा। पहला सेमी फाइनल मुकाबला गौतम बुद्ध नगर बनाम यूपी पुलिस के मध्य खेला गया जिसमें गौतम बुद्ध नगर ने फाइनल में प्रवेश किया। वही इस चौंपियनशिप का दूसरा मुकाबला गाजियाबाद अ/ मेरठ के मध्य खेला गया। समापन अवसर पर यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि जीत-हार से ऊपर खेल भावना रही, और यही इस राज्य स्तरीय चौंपियनशिप की सबसे बड़ी जीत साबित हुई। इस समापन दिवस के अवसर पर जेपी पावर डीन बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, शिव शरण कुशवाहा चेयरमैन भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, राम लखन कुशवाहा, श्रीमती चंद्रलेखा कुशवाहा, राजकुमार राज,चंद्र मौली भारद्वाज,नितिन द्विवेदी, अमित सेठ भोलू विकल्प शर्मा, संजय गुप्ता,कुकू माली, संजय काकोनिया, राजेंद्र अवस्थी, महेश साहिल, रेहान अली आदि मौजूद रहे।

बिना मानकों के चल रहे निजी अस्पतालों पर सवाल

बांगरमऊ(उन्नाव)। नगर के विभिन्न मार्गों पर कई निजी अस्पताल वर्षों से अप्रशिक्षित नर्सों और झोलाछाप डॉक्टरों के सहारे संचालित हो रहे हैं। चर्चा है कि अस्पताल संचालकों की कथित साठगांठ के चलते अब तक इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। हरदोई रोड, उन्नाव रोड और लखनऊ रोड सहित कई मार्गों पर नर्सिंग होम संचालित हैं। इनमें अधिकांश नर्सिंग होम्स में न तो कोई डॉक्टर है और न ही प्रशिक्षित नर्स, लेकिन बाहर बोर्ड पर नामचीन डॉक्टरों के नाम लिखकर मरीजों को भ्रमित किया जा रहा है। ंभीर मरीजों को परिजन इन डग्गामार नर्सिंग होम्स में भर्ती करा देते हैं। हालत बिगड़ने पर मरीजों को लखनऊ या कानपुर के निजी अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है, जहां उनका आर्थिक शोषण किया जाता है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि उन्हें इस बारे में सूचना मिली है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्रशासन की चुप्पी को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज है और आम जनता सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

कीचड़ से भरी सड़क बनी ग्रामीणों की परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नाली न होने से रास्ते में भर रहा गंदा पानी, स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही दिक्कत

परियर(उन्नाव)। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के मरौदा मझवारा से सफीपुर जाने वाली सड़क पर मरौदा सुचित गांव के पंचायत घर के सामने कीचड़ भरा होने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के किनारे नाली न बने होने के कारण आसपास के घरों का गंदा पानी रास्ते में भर जाता है, जिससे सड़क पर लगातार कीचड़ बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी मार्ग पर बाजार, प्राथमिक विद्यालय, जूनियर विद्यालय एवं पंचायत भवन स्थित हैं, जिससे ग्रामीणों व विद्यार्थियों को मजबूरी में इसी रास्ते से आना-जाना पड़ता है। कई छात्रों के कपड़े स्कूल जाते समय कीचड़ से खराब हो जाते हैं। सुरेंद्र यादव, पवन, कल्लू, गोलू, धर्मेंद्र, मनमोहन सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी विनय त्रिपाठी ने बताया कि जो कार्य ग्राम सभा के अंतर्गत होगा, उसे सोमवार को करा दिया जाएगा।

घने कोहरे में एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

बांगरमऊ(उन्नाव)। थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार तड़के घने कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के पास डायवर्जन प्वाइंट पर एक टाइल्स लदा लोडर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसके बाद पीछे से आ रहे वाहन एक-एक कर टकराते चले गए। इसी दौरान जयपुर से लखनऊ जा रही एक स्लीपर बस आगे खड़े कंटेनर में पीछे से जा घुसी। हादसे में बस चालक जितेंद्र कुमार (50) पुत्र केशरी लाल, निवासी मुरैना (मध्य प्रदेश) और परिचालक हरिओम पुत्र मातादीन गंभीर रूप से घायल हो गए। यूपीडा टीम ने दोनों को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चालक जितेंद्र को मृत घोषित कर दिया। परिचालक को जिला अस्पताल रेफर किया गया। लोडर पलटने से गुड्डू पुत्र रमेश और महेंद्र पुत्र प्रभुदयाल, दोनों निवासी फरासपुरा थाना सिकंदरा, जनपद दौसा (राजस्थान) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बेहटा मुजावर थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि घने कोहरे के कारण एक्सप्रेसवे पर कई वाहन आपस में टकराए हैं। एक व्यक्ति की मौत हुई है और घायलों का उपचार जारी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 32666 वादों का हुआ निस्तारण

- 4.81 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कौशाम्बी के तत्वावधान में रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश जे.पी. यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारी, बैंक अधिकारी-कर्मचारी व काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान जिला कारागार कौशाम्बी, किशोरों व महिलाओं तथा स्वयं सहायता समूहों/गैर सरकारी संगठनों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु स्टॉल लगाए गए। चिकित्सा विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित किया गया तथा दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था भी की गयी। लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों द्वारा बड़ी संख्या में वादों का निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा 54 वादों का निस्तारण करते हुए पीड़ितों को 2.06 करोड़ रुपये से अधिक का प्रतिकर दिलाया गया। परिवार न्यायालय द्वारा 40 पारिवारिक वादों का निस्तारण किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य न्यायालयों द्वारा हजारों फौजदारी, दीवानी, विद्युत अधिनियम, राजस्व, उपभोक्ता व बैंक ऋण वसूली से संबंधित वादों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया।राजस्व न्यायालयों द्वारा 26,547 वाद, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा 1,996 वाद तथा जनपद के विभिन्न बैंकों द्वारा 957 ऋण वसूली मामलों का निस्तारण किया गया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग एवं स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं) द्वारा भी मामलों का निस्तारण कर धनराशि जमा कराई गयी। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से जनपद कौशाम्बी में कुल 32,666 वादों का निस्तारण करते हुए लगभग 4.81 करोड़ रुपये की धनराशि जमा करायी गयी। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी श्रीमती शीरीन जैदी द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

नाली व इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्यों का लोकार्पण

- अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा– नगर में विकास कार्यों को दी जा रही प्राथमिकता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में नवनिर्मित नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया गया। नगर के वार्ड संख्याऽ4, राजेपुर अंतर्गत मोहल्ला मनोहर नगर में अमित मिश्रा के आवास से नरेंद्र शंकर शुक्ला के आवास होते हुए राम विलास (पुत्र सोहन) के आवास तक निर्मित नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण अध्यक्ष नगर पालिका परिषद द्वारा किया गया। इसी क्रम में वार्ड संख्याऽ8, पीताम्बर नगर में कौशल यादव के आवास से बैद्यनाथ जी के आवास तक तथा रमेश चंद्र के आवास से जमुना देवी के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया गया। लोकार्पण के अवसर पर अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि नगर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्य निरंतर गति से आगे बढ़ते रहेंगे, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।कार्यक्रम में सभासद रवि कुमार, सुधा, सुजाता, सीता, गीता गौतम, किरण तिवारी, राम देवी गौतम, भारती, दिलीप कुमार, सीमा गौतम, पूनम बाजपेई, रानू मिश्रा, गरिमा देवी, पूजा वर्मा, रेणुका यादव, रजनीकांत बाजपेई, अमित मिश्रा, नरेंद्र शंकर शुक्ला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

माँ की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों में बांटे गए कंबल

उन्नाव। नर सेवा ही नारायण सेवा है के संकल्प के साथ नर सेवाऽनारायण सेवा समिति उन्नाव के संस्थापक एवं भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने अपनी पूज्य माता स्वर्गीय प्रेमलता द्विवेदी की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंदों में कंबल वितरण किया। यह कार्यक्रम बड़े हनुमान मंदिर एवं रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर आयोजित किया गया, जहां सैकड़ों जरूरतमंदों को सर्दी से राहत पहुंचाई गई। विमल द्विवेदी ने बताया कि उन्हें समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा अपनी माता से ही मिली है। उन्होंने कहा कि माता की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष शीतकाल में कंबल वितरण किया जाता है और यह सेवा कार्य पूरे सर्दी के मौसम में निरंतर जारी रहेगा।

ग्राम समाज की भूमि पर अंबेडकर प्रतिमा लगाने को लेकर तनाव

- पुलिस हस्तक्षेप से मामला शांत, मूर्ति सुरक्षित स्थान पर रखवाई गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गांव कबीरपुर में ग्राम समाज की भूमि पर अंबेडकर प्रतिमा लगाए जाने को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया। जानकारी के अनुसार गांव के बाहर सड़क मार्ग किनारे ग्राम समाज की भूमि पर शनिवार देर रात कुछ ग्रामीणों द्वारा अंबेडकर प्रतिमा स्थापित कर दी गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रविवार सुबह कुछ लोगों ने इसका विरोध किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर समझौता कराया और प्रतिमा को ग्राम प्रधान की सुपुर्दगी में सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया। थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है।

बताया जा रहा है कि ग्राम सभा में अंबेडकर स्थल के नाम से कुछ भूमि सुरक्षित है, लेकिन प्रतिमा किसी अन्य स्थान पर स्थापित कर दी गई थी। कुछ लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर प्रतिमा रखी गई, वह गांव के संपर्क मार्ग के किनारे होने के कारण अधिक सुलभ है।

आलू लदा ट्रक पलटा, चालक को आई मामूली चोटें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव-हरदोई मार्ग पर रविवार को आलू से लदा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं। जानकारी के अनुसार चालक पप्पू पुत्र चौबे, निवासी फर्रूखाबाद, आलू की बोरियां लादकर जिला सुल्तानपुर जा रहा था। रविवार दोपहर कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव मार्ग पर स्थित ग्राम भिखारीपुर रुल्ल की पुलिया के पास तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गया। हादसे के बाद सड़क से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर चालक को ट्रक के केबिन से बाहर निकाला। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं।

एसपी आवास मार्ग से जीआईसी चौराहे तक चला बुलडोजर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने, चौराहों के सौंदर्यीकरण और अवैध कब्जों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने रविवार पांच बजे सख्त अभियान चलाया। एसपी आवास मार्ग से जीआईसी चौराहे तक बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया गया। यह कार्रवाई पूर्व में जारी नोटिस और निर्धारित समयावधि समाप्त होने के बाद की गई, जिससे अतिक्रमणकारियों को पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी।

अभियान का नेतृत्व एसडीएम सदर धामिनी और तहसीलदार सदर अतुल सेन सिंह ने किया। उनके साथ नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग और पुलिस बल की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। कार्रवाई के दौरान दुकानों के बाहर लगे टीनशेड, अस्थायी ढांचे तथा सड़क और फुटपाथ पर किए गए पक्के अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया।एसपी आवास मार्ग और जीआईसी चौराहा शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल हैं। लंबे समय से अतिक्रमण के कारण यहां जाम की गंभीर समस्या बनी हुई थी, जिससे आम नागरिकों, स्कूली बच्चों और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस मार्ग में कई जगह पर लोगों ने अवैध रूप से निर्माण करा कर अपने वाहनों को खड़ा कर रहे थे, इसकी शिकायत भी राहगीरों ने प्रशासन से की थी।सड़क चौड़ीकरण की योजना के तहत पहले ही दुकानदारों को स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया गया था।

कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों में नाराजगी देखी गई, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कदम पूरी तरह जनहित में है। एसडीएम सदर धामिनी ने बताया कि अवैध अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी शहर के अन्य क्षेत्रों में इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी ने बताया कि अवैध के खिलाफ आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण से बचें, ताकि शहर को सुंदर, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसा, दो भाईयों समेत चार की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र स्थित इचौली गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर रविवार को कार और टूरिस्ट बस की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो सगे भाईयों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। महोबा जिले के खन्ना थाना क्षेत्र के ग्योड़ी गांव निवासी घनश्याम की मां का निधन हो गया था। अंतिम संस्कार के बाद रविवार को सिद्धगोपाल (65), रामसहोदर (40), घनश्याम (55) और सोनू (35) समेत तीन अन्य परिवार के लोग अस्थियां विसर्जन के लिए बोलेरो गाड़ी में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे। हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र के इचौली गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर बोलेरो में पीछे से बांदा जा रही तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने टक्कर मार दी।हादसे में सिद्धगोपाल, रामसहोदर और घनश्याम की मौके पर मौत हो गई। सोनू, राधेश्याम और आशाराम को गंभीर हालत में बांदा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां सोनू की भी मौत हो गई।

सिक्योर वूमेन वेलफ़ेयर एसोसिएशन ने आयोजित किया भव्य महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका परिषद, लखीमपुर में सिक्योर वूमेन वेलफ़ेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का भव्य, सफल एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त करना रहा।कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करने हेतु चेक वितरण एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था की एडवाइजरों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि संस्था से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आर्थिक मजबूती, सामाजिक सम्मान एवं आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ‟सुरक्षित महिला सहारा योजना” का शुभारंभ रहा, जिसका उद्घाटन नगर पालिका परिषद लखीमपुर की चेयरमैन डॉ. इरा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ‟सुरक्षित महिला सहारा योजना का उद्देश्य महिलाओं को हर स्तर पर सुरक्षा, सहयोग और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र मजबूत होगा।”इस अवसर पर संस्था के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर रवि सक्सेना ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था निरंतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग के माध्यम से महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। वहीं प्रोजेक्ट मैनेजर आकाश सक्सेना ने योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और भविष्य की कार्ययोजनाओं की जानकारी दी।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं, गणमान्य अतिथियों एवं संस्था के सदस्यों ने सिक्योर वूमेन वेलफ़ेयर एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

भल्लिया बुर्जुग रेलवे स्टेशन के पास महिला की ट्रेन से कटकर मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। हैदराबाद थाना की ढकवा चौंकी क्षेत्र के अंतर्गत गोला-लखीमपुर रेल लाइन पर भल्लिया बुर्जुग हाल्ट से पहले करीब 100 मीटर की दूरी पर एक 45 वर्षीय महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। गेटमैन की सूचना पर मौके पर पहुंचे आरपीएफ के हेडकांस्टेबल मयक दीक्षित, रमेश सिंह, ढकवा चौंकी प्रभारी खेमेन्द्र कुमार, संजय कुमार, नरेंद्र कुमार और जीआरपी गोला के एसआई विनोद कुमार ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की और शव की पहचान कराने की कोशिश की।महिला की पहचान सुशीला देवी(45) पत्नी कैलाश भार्गव निवासी सेमरई ,थाना हैदराबाद के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार शुशीला देवी घर से दवाई लेने सुबह 12 बजे घर से कहकर निकली थी। करीब 2:22 पर स्टेशन से निकले इंजन से कटकर मौत हो गई। हैदराबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

बंद खड़े ट्रैक्टर की साफ-सफाई कर रहे अधेड़ पर स्वतः स्टार्ट हो चढ़ा ट्रैक्टर, किसान की मौत

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद की ढकवा पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव भल्लिया बुजुर्ग गांव में रविवार दोपहर एक किसान के घर के बाहर बन्द खड़ा ट्रैक्टर अचानक स्टार्ट होकर आगे बढ़ गया जिससे ट्रैक्टर की साफ सफाई कर रहे व्यक्ति कुचल गया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। भल्लिया बुजुर्ग निवासी अक्षय लाल (50) पुत्र मनोहर लाल रविवार दोपहर करीब 12 बजे बंद खड़े ट्रैक्टर की साफ सफाई कर रहे थे, तभी अचानक ट्रैक्टर स्टार्ट हो गया और आगे बढ़ चला जिससे अक्षय लाल पहिये के नीचे आकर कुचल गए। जिन्हें परिजन आनन-फानन में अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

गुप्ता कॉलोनी में जलभराव से हाहाकार, ग्रामीणों ने प्रधान पर लगाए गंभीर आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

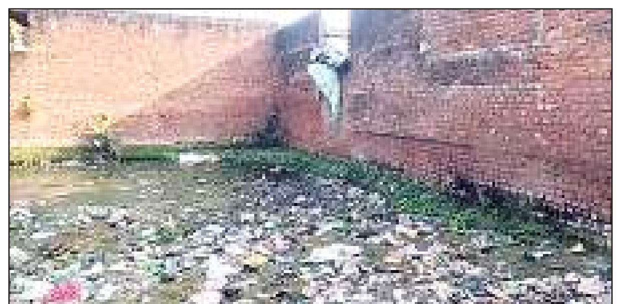

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला ब्लॉक बांकेगंज क्षेत्र गल्ला मंडी की गुप्ता कॉलोनी में जलनिकासी की समस्या को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान नजमा खान (पति सफीउल्ला) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि करीब 20 वर्षों से प्रधानी रहने के बावजूद आज तक पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं कराई गई। ग्रामीणों के अनुसार घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में नालियों का अभाव है, जिससे गंदा पानी मंदिर के आसपास और सामने जमा रहता है। हालात ऐसे हैं कि गंदगी का अंबार लगा हुआ है। आरोप है कि लगातार जलभराव के कारण स्थानीय निवासी के मकान की नींव तक बैठ गई है। मंदिर परिसर में फैली गंदगी से श्रद्धालुओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मजबूरी में मंदिर के पुजारी को स्वयं गंदगी साफ करनी पड़ रही है। गुप्ता कॉलोनी निवासियों ने प्रधान पति पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि अब तक कोई ठोस विकास कार्य नहीं कराया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान की ओर से यह भी कहा जाता है कि ‟सपा सरकार बनेगी तभी काम होगा। मामले की जानकारी मिलने पर अखंड हिंदू वाहिनी के प्रदेश महामंत्री कमलेश पांडे मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही राष्ट्रीय प्रस्तावना टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर जलनिकासी की व्यवस्था कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

समाजसेवी डा0 ख़ान ने बेटे के साथ मिलकर गाड़ियों में लगाया रेडियम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- डॉ आई खान का पुत्र भी चल रहा पिता के नक़्शे कदम पर, समाजसेवा में अग्रणी

कुकरा खीरी। एक्सीडेंटो को गंभीरता से लेते हुए समाजसेवी डा आई ए ख़ान और उनका समाजसेवी बेटा केन्द्रीय विद्यालय के कक्षा आठ के छात्र दानियाल ख़ान ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गाड़ियों पर रेडियम लगाया। कोहरे के कारण सड़क और गाड़ियां न दिखाई देने की वजह से एक्सीडेंट बहुत हो रहे हैं ख़ास तौर से गन्ना भरी ट्रॉलियाँ ट्रैक्टर, ट्रक आदि ख़राब होने कि वजह से अक्सर सड़क पर खड़े रहते हैं जो की कोहरे की वजह से दिखाई नहीं देते हैं तथा एक्सीडेंट का कारण बनते हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए डा ख़ान और उनके पुत्र ने लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने के फ़ायदे बताए तथा गाड़ियों में रेडियम की पट्टी भी लगाई।

विकास चौराहा पर दुकानदार को धमकी देने का आरोप, ऑडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

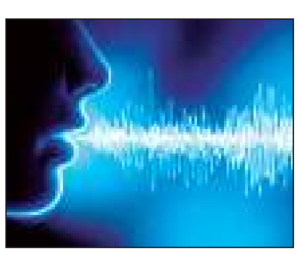

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विकास चौराहा स्थित प्रतिष्ठान घटिया चाट भंडार के संचालक अनूप गुप्ता ने कुछ व्यक्तियों पर डराने?धमकाने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के नाम दिए गए प्रार्थना पत्र में अनूप गुप्ता ने कहा है कि समाज को अवगत कराने के उद्देश्य से व्हाट्सएप ग्रुपों पर श्री हरिद्वार वैश्य समिति गुप्त रूप से संपन्न किए गए चुनाव का अपना विरोध दर्ज कराया जिससे क्षुब्द होकर कृष्ण कुमार गुप्ता के द्वारा करने पर दि013 दिसंबर को लगभग 11:30 बजे समिति के महामंत्री अविनाश गुप्ता ने उनके मोबाइल फोन पर कॉल कर उनसे जबरन माफी मांगने का दबाव बनाया। माफी मांगने से इनकार करने पर अविनाश गुप्ता द्वारा झूठा मुकदमा लिखवाकर जेल भिजवाने की धमकी दी गई। पीड़ित का कहना है कि उक्त बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग उनके पास सुरक्षित है। गुप्ता का कहना है कि नगर की श्री हरिद्वारी वैश्य समिति के तात्कालिक अध्यक्ष के द्वारा विगत वर्ष 26 अप्रैल को समिति द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में समाज के एक बड़े वर्ग की मांग पर समिति की कार्यकारिणी के चुनाव 6 माह में कराने का आश्वासन दिया था। जिसके अंतर्गत नगर के सजातीय महिला पुरुषो से 31 जुलाई तक 100 रुपए जमा कर सदस्य बनाकर वोट डालने का अधिकार देने की बात कही गई थी। परन्तु समिति के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार गुप्ता और समिति के अन्य पदाधिकारियों के द्वारा आर भय से मनमाने तरीके से सदस्य फॉर्म निरस्त कर जिसके उपरांत कृष्ण कुमार गुप्ता के द्वारा गैर लोकतांत्रिक तरीके से एक व्यक्ति के घर पर अपने चहेतों के मध्य बैठकर चुनाव संपन्न करा लिया। उपरोक्त घटना के बाद उनका और परिवार मे भय व्याप्त है। पीड़ित ने तहरीर देकर जांच कर कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

नवागत चौकी इंचार्ज ने सम्हाली सिकंदराबाद चौकी की कमान

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र की पुलिस चौकी सिकंदराबाद मे विगत दो वर्षो से तैनात चौकी इंचार्ज आशीष शेरावत का पिछले सप्ताह पुलिस अधीक्षक द्वारा तबादला लखीमपुर खीरी के लिये कर दिये जाने के उपरांत पुलिस लाइन से मुकेश कुमार को चौकी का चार्ज सौंपा गया। सिकंदराबाद पोस्टिंग के पश्चात नवागत चौकी मुकेश कुमार ने चार्ज ग्राहक करने के बा पत्रकारो से रूबरू होकर पुलिस का सहयोग बनाये रखने की अपील की है। हालाकि चौकी इंचार्ज मूल रूप से फर्खावाद जिले के मूल निवासी है और वह 1998 बैच के सब इंस्पेक्टर है। हलाकि सुरुआती दौर मे बागपत,गौतमबुद्ध नगर, सीतापुर के जिलो मे अपनी सेवाये दे चुके है। इस दौरान फैसल खान,अख्तर अंसारी पंकज शुक्ला,सत्यम मिश्र, श्याम सिंह आदि पत्रकार मौजूद रहे।

स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंच कार्याशाला का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। विकासखंड मितौली के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय रतहरी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी के दिशा निर्देशन एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मितौली भगवान राव , जिला समन्वयक बालिका शिक्षा रेनू श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंच तथा पावर एंजिल सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता तथा जीवन कौशल शिक्षा विकसित करने तथा सेल्फ एस्टीम के क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

विकास खण्ड नोडल बालिका शिक्षा सलीम अहमद व सन्दर्भदार्ता के रूप में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर सत्येन्द्र बहादुर सिंह , गरिमा सिंह कुशवाहा ने मीना मंच सुगमकर्ता की कार्यशाला को आयोजित किया । इस कार्यशाला में विकास खण्ड मितौली के समस्त कंपोजिट विद्यालय , समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालय व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के सुगमकर्ताओं ने प्रतिभाग किया । विकास खण्ड मितौली से कुल 94 सुगमकर्ताओं को कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसके प्रथम चरण में 48 सुगमाकर्ता जिसमें 18 पुरुष सुगमकर्ता व 32 महिला सुगमकर्ता को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

प्रशिक्षण में विकास खण्ड नोडल बालिका शिक्षा सलीम अहमद के द्वारा प्रशिक्षण से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओ को बताया गया । प्रशिक्षण में संदर्भदाताओं के द्वारा प्रगति के पंख , आधा फुल कॉमिक सीरीज , अरमान माड्यूल , सेल्फ डिफेंस , रानी लक्ष्मी बाई आत्मा रक्षा प्रशिक्षण , सामाजिक व्यवहार परिवर्तन , मीना मंच का गठन , मीना मंच के उद्देश्य, टूल 10 आदि विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । इस दौरान आत्मरक्षा क्लब , सुगमकर्ता के कार्य पर भी विस्तार से चर्चा हुई प्रशिक्षण के उपरांत सभी सुगमकर्ता अपने अपने विद्यालयों में बच्चों के सशक्तिकरण हेतु कार्य करेंगे।

कार्यशाला के समापन पर ब्लॉक नोडल बालिका शिक्षा सलीम अहमद व राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर सत्येन्द्र बहादुर सिंह व गरिमा सिंह कुशवाहा के द्वारा कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। मीना मंच कार्यशाला की मॉनिटरिंग सीमेट प्रयागराज के द्वारा की जा रही है द्य आज की कार्यशाला में यूनिसेफ की तरफ से टीम व मीना सुगमकर्ता के रूप में अनीता , आरती कनौजिया , निधि , अमित कुमार , लोकेंद्र कुमार आदि शिक्षक मौजूद रहे।

दुनिया को सुख शान्ति का संदेश देकर सुरक्षा प्रदान करने वाला एकमात्र धर्म सनातन : अनिल

- लोहगरा में सम्पन्न, श्रद्धा और संगठित शक्ति का दिखा विराट स्वरूप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। दुनिया को सुख शान्ति का संदेश देकर सुरक्षा प्रदान करने के लिए एकमात्र धर्म सनातन धर्म वसुधैव कुटुंबकम् का उद्घोष करता है। यह बात प्रयागराज के रणजीत पण्डित इण्टर कालेज लोहगरा में आयोजित हिन्दू समागम महा सम्मेलन को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने कही।

उन्होंने कहा कि मुगलिया सल्तनत को चुनौती देने वाले गुरु तेगबहादुर की बलिदान की 350वी जयंती, आजादी के महा नायक बिरसा मुंडा के बलिदान का 150वा वर्ष यह शताब्दी वर्ष है। दुनिया को सुख शान्ति का संदेश देकर सुरक्षा प्रदान करने के लिए एकमात्र धर्म सनातन धर्म वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष करता है। इसलिए दुनिया को सुरक्षित रखने के लिए हिंदुओं को संगठित करना है। हर धार्मिक आयोजन के बाद धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो का भाव मात्र सनातन और हिन्दू धर्म में ही है।

उन्होंने आगे कहा कि तमाम दुनिया के देशों की संस्कृति नष्ट हो गई। किन्तु भारतवर्ष में हजारों संघर्षों के बाद भी अपना अस्तित्व और संस्कृति धर्म के सहारे बचा रहा। उसको तोड़ने के लिए विधर्मियों द्वारा खड़यंत्र कर तमाम आंदोलन कर जातियों में बांट कर तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जिन महापुरुषों ने अपना सम्पूर्ण जीवन देश, समाज को एक करने का काम में सर्मपित किया, आज उन्हीं के नाम पर उनके वक्तव्यों को तोड़ मरोड़ कर दिखाते हुए समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है। उनके उपदेश सम्पूर्ण समाज और राष्ट्र के लिए थे। अपने जाति के बन्धन से मुक्त हो कर विभेद पैदा करने वाले विधर्मियों से डट कर सामना करना पड़ेगा। तभी हम हिन्दू समाज और संस्कार की सुरक्षा कर सकते हैं। छात्राओं को नकली कलावा, लॉकेट पहन कर लव जेहाद में फंसाने वालों से बच्चों को बचाने का काम करना पड़ेगा। छद्म वेश धारण कर हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करा कर ईसाई बनाया जा रहा है।

चीनी व्यापारी से 89 लाख रुपए की ठगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद। वसुंधरा सेक्टर पांच स्थित मैसर्स जाय शुगर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विनीत कुमार ने 89 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित जेएमटीसी खुर्शी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दीपक भार्गे समेत दो लोगों ने उनके 89 लाख रुपये हड़पे हैं। आरोपित फर्म के निदेशक ने 2.08 करोड़ की चीनी आपूर्ति कराने का सौदा किया, लेकिन केवल 1.19 करोड़ रुपये का ही माल भेजा गया। मामला अगस्त 2025 का है। एंटी फ्रॉड सेल की जांच के बाद पुलिस ने आज प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दर्ज मामले में विनीत कुमार ने बताया कि उनका चीनी क्रय-विक्रय का कारोबार है। अप्रैल 2025 में महाराष्ट्र के पुणे स्थित नारायण पेथ निवासी संदीप प्रताप सनप उनके कार्यालय वसुंधरा पहुंचे। आरोपित ने उन्हें जीएसटी समेत 36 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से चीनी देने का भरोसा दिलाया। इसके बाद आरोपित को उन्होंने 2.08 करोड़ रुपये की चीनी का ऑर्डर दे दिया। पांच अगस्त 2025 को जेएमटीसी खुर्शी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दीपक भार्गे के साथ उनका अनुबंध भी हो गया। सात अगस्त से 20 अगस्त के बीच उन्होंने आरोपित फर्म को अलग-अलग बार में आरटीजीएस के माध्यम से पूरी रकम का भुगतान कर दिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपितों को 579 मिट्रिक टन चीनी उपलब्ध करानी थी, लेकिन केवल 332 मिट्रिक टन चीनी ही उन्हें आपूर्ति हुई। 227 मिट्रिक टन चीनी जिसकी कीमत 89 लाख रुपये थी वह माल नहीं पहुंचाया गया। जब फोन से सम्पर्क कर उन्होंने बचा हुआ माल या उसकी कीमत वापस करने को कहा। इस पर फर्म के निदेशक व उसके साथी ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी और रकम या चीनी देने से साफ इन्कार कर दिया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित व्यापारी की तरफ से किए गए भुगतान के साक्ष्य पुलिस के पास मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यशस्वी जायसवाल का शतक, मुम्बई ने हरियाणा को चार विकेट से हराया

एजेंसी

अंबी। यशस्वी जायसवाल (101) और सरफराज खान (64) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत मुम्बई ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ग्रुप ए मुकाबले में हरियाणा को 15 गेंदे शेष रहते चार विकेट से शिकस्त दी। आज यहां मुम्बई ने टॉस जीतकर कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 234 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अर्श राणा और कप्तान अंकित कुमार की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए हरियाणा के लिए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। सातवें ओवर में साईराज पाटिल ने अर्श राणा (26) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निशांत सिंधु ने अंकित कुमार के साथ दूसरे विकेट के लिए 110 रनों की साझेदारी की। 15वें ओवर में साईराज पाटिल ने शतक बनाने की ओर अग्रसर अंकित कुमार को अपना शिकार बना लिया। अंकित कुमार ने 42 गेंदों में 10 चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 89 रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में सामंत जाखड़ (31) रिटायर्ड आउट हुये। निशांत सिंधु ने चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद 63 रन बनाये। सुमित कुमार चार चौके लगाकर 16 रन पर नाबाद रहे। इसके बाद 235 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई के लिए यशस्वी जायसवाल और अजिंक्य रहाणे की जोड़ी आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन

करते हुए 3.1 ओवर में अभी 53 रन जोड़े थे कि इशांत भारद्वाज ने अजिंक्य रहाणे 10 गेंदों में (21) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सरफराज खान ने यशस्वी जायसवाल के साथ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 9.2 ओवर में स्कोर 141 पहुंचा दिया। अमित राणा ने सरफराज खान को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। सरफराज खा ने 25 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 64 रन बनाये। अंगकृष रघुवंशी (सात), सूर्याश शेडगे (13) और शार्दुल ठाकुर (दो) रन बनाकर आउट हुये। मुम्बई का छठा विकेट18वें ओवर की पहली गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप में उस समय गिरा जब मुम्बई ने 228 रन बना लिये थे और वह जीत के बेहद करीब थी। जायसवाल ने 50 गेंदों में 16 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए (101) रन बनाये। मुम्बई ने 17.3 ओवर में छह विकेट पर 238 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने रविवार को स्पष्ट किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आईपीएल नीलामी में खुद को बल्लेबाज के तौर पर लिस्ट किए जाने का कारण अपने मैनेजर की गलती को बताया है। ग्रीन ने आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन के लिए खुद को एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में रजिस्टर किया है, जबकि वह एक फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में होगा। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' के अनुसार रविवार सुबह एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया

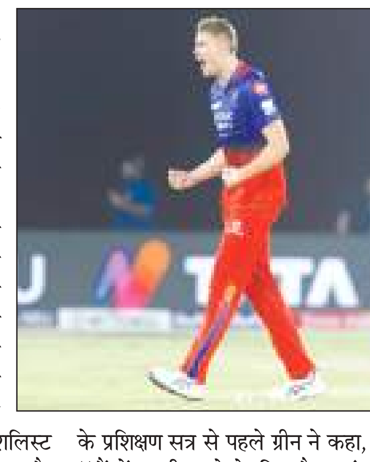

के प्रशिक्षण सत्र से पहले ग्रीन ने कहा, ''मैं गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर को यह सुनकर अच्छा लगेगा या नहीं, लेकिन उनकी तरफ से कुछ गलती हो गई। उनका मतलब 'बल्लेबाज' कहना नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने गलती से गलत बॉक्स चुन लिया। यह सब जिस तरह से हुआ वह काफी मजेदार है, लेकिन वास्तव में गलती उनकी तरफ से ही हुई थी। लंबे कद के 26 वर्षीय ऑलराउंडर ग्रीन ने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे बड़े नामों में से हैं और उनके लिए मोटी बोली लगने की उम्मीद है। ग्रीन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण ग्रीन 2025 सत्र से बाहर रहे थे। उन्होंने जून में एक बल्लेबाज के तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें गेंदबाजी करने की इजाजत मिल गई और वह ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में गेंदबाजी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत वैश्विक कर पारदर्शिता में अग्रणी: ओईसीडी अधिकारी

नयी दिल्ली। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कर चोरी के खिलाफ पारदर्शिता के उपायों को लागू करने में भारत एक अग्रणी देश के रूप में उभरा है। अधिकारी ने बताया कि करदाताओं से उनकी अघोषित विदेशी संपत्तियों की सही जानकारी लेने के लिए हाल ही में चलाए गए अभियान के चलते 29 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की विदेशी संपत्तियों का खुलासा हुआ है। ओईसीडी सचिवालय की प्रमुख जायदा मनाटा ने दिए साक्षात्कार में बताया कि ये उल्लेखनीय परिणाम वैश्विक कर पारदर्शिता और सूचनाओं के स्वचालित आदान-प्रदान के मानकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मनाटा हाल ही में दो से चार दिसंबर के बीच नयी दिल्ली में आयोजित कर पारदर्शिता और सूचना विनिमय पर वैश्विक मंच की वार्षिक पूर्ण बैठक में भाग लेने आई थीं। इस वैश्विक मंच से 172 देश जुड़े हुए हैं। ओईसीडी एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो आर्थिक और सामाजिक नीतियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करती है। उन्होंने कहा, भारत कर पारदर्शिता के क्षेत्र में अग्रणी है और वर्ष 2009 से वैश्विक मंच के कार्यों का समर्थन करता आ रहा है। वर्ष 2025 की वैश्विक मंच की पूर्ण बैठक की मेजबानी नयी दिल्ली में किया जाना इस बात का प्रमाण है कि भारत लगातार वैश्विक मंच के कार्यों और विदेश स्थित कर चोरी के विरुद्ध संघर्ष का समर्थन कर रहा है। विदेश स्थित कर चोरी के विरुद्ध लड़ाई के संदर्भ में भारत से ओईसीडी की अपेक्षाओं पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मनाटा ने कहा कि भारत कर पारदर्शिता और सूचना विनिमय के मानकों के अंतर्गत अपनी प्रतिबद्धताओं और आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।

राजस्थान में पारेषण बाधाओं के कारण लगभग चार गीगावॉट सौर क्षमता प्रभावित

नयी दिल्ली। राजस्थान में अपर्याप्त पारेषण बुनियादी ढांचे के कारण लगभग 4,300 मेगावॉट सौर ऊर्ज़ा क्षमता दिन के समय पूरी तरह कटौती का सामना कर रही है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे करीब 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जोखिम में पड़ गई हैं। अदाणी, रीन्यू, सेरेंटिका, जूनिपर, जेलेस्ट्रा, एसीएमई और एम्प एनर्जी सहित कई कंपनियों की कुल 26 सौर परियोजनाएं फिलहाल अस्थायी सामान्य नेटवर्क पहुंच (टी-जीएनए) व्यवस्था के तहत बिजली की आपूर्ति कर रही हैं, क्योंकि उनकी संबंधित पारेषण प्रणालियां अभी चालू नहीं हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक उपलब्ध पारेषण मार्जिन के खत्म हो जाने के कारण इन संयंत्रों से दिन के समय बिजली उत्पादन पूरी तरह रोक दिया गया है। उत्तरी क्षेत्र लोड डिस्पैच सेंटर (एनआरएलडीसी) के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में लगभग 23 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षमता चालू है, जबकि पारेषण क्षमता करीब 18.9 गीगावॉट है। यह पूरी पारेषण क्षमता दीर्घकालिक सामान्य नेटवर्क पहुंच (जीएनए) वाली परियोजनाओं को आवंटित की जा चुकी है, जिससे टी-जीएनए के तहत संचालित चार गीगावॉट से अधिक क्षमता के लिए बिजली निकासी की कोई गुंजाइश नहीं बची है। इन कंपनियों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने से परियोजनाओं की व्यवहार्यता और कर्ज की अदायगी पर गंभीर असर पड़ सकता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार से अल्पकालिक राहत उपायों पर विचार करने का आग्रह किया है, जिनमें टी-जीएनए के तहत बिजली निकासी सुधारने के लिए विशेष संरक्षण योजना (एसपीएस) लागू करना और कम उपयोग अवधि के दौरान अप्रयुक्त जीएनए मार्जिन को टी-जीएनए परियोजनाओं को आवंटित करना शामिल है।

बीएमडब्ल्यू 'मिनी' ब्रांड को और मजबूत करेगी नए मॉडल लाने, बिक्री बढ़ाने पर जोर

नयी दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता बीएमडब्ल्यू अगले साल भारत में अपने 'मिनी' पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रही है, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने यह जानकारी दी। कंपनी के पोर्टफोलियो में फिलहाल मिनी कूपर, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू और मिनी कन्वर्टिबल शामिल हैं। ब्रांड को बड़े शहरों से आगे स्वीकृति मिलने के साथ कंपनी छोटे शहरों और कस्बों में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने पर भी ध्यान दे रही है। बरार ने बातचीत में कहा, हम अगले साल मिनी पोर्टफोलियो के तहत एक-दो और उत्पाद लाने पर विचार कर रहे हैं। बीएमडब्ल्यू अगले साल अपने बिक्री नेटवर्क का और विस्तार करेगी, जिसमें जयपुर, लखनऊ और रांची जैसे स्थान शामिल होंगे। साथ ही ऐसे छोटे शहर भी होंगे जहां कंपनी की अभी कोई मौजूदगी नहीं है। उन्होंने कहा, मिनी के लिए हम फिलहाल करीब नौ शहरों में मौजूद हैं। हम अगले साल शहरों की संख्या दोगुनी करना चाहते हैं, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर भी हमारी मौजूदगी हो। छोटे बाजारों से भी अब धीरे-धीरे काफी मांग आने लगी है। बरार ने कहा कि स्थानीय स्तर पर मौजूदगी से बिक्री के बाद की सेवाओं को लेकर भी ग्राहकों का भरोसा बढ़ता है। उन्होंने कहा, इसलिए हम अपने उत्पाद पोर्टफोलियो और बिक्री नेटवर्क को मजबूत करना चाहते हैं।

घरेलू तांबा उद्योग ने सस्ते आयात पर जताई चिंता तीन प्रतिशत सुरक्षा शुल्क की मांग

नयी दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीसीपीए ने कहा कि कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तांबे के सस्ते आयात से भारतीय विनिर्माण को गंभीर रूप से नुकसान पहुंच रहा है। इसके साथ ही उसने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर सुरक्षा शुल्क लगाने और विदेशों से आने वाले आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध लागू करने की मांग की है। इंडियन प्राइमरी कॉपर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईपीसीपीए) के अनुसार, शून्य शुल्क पर तांबे के आयात के चलते देश के घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है, जबकि आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए हाल के वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

नीदरलैंड्स ने अर्जेंटीना को हराकर जीता एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब

सैंटियागो (चिली)। नीदरलैंड्स ने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डच टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप का खिताब जीता और 2022, 2023 और अब 2025 में जीत के साथ लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया। मैच की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने पहले हाफ में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले से गोल करके मैच अपने नाम कर लिया और फिर निर्णायक चरणों में एक बहुत ही मजबूत रक्षात्मक संरचना के माध्यम से अपनी मामूली बढ़त को बनाए रखा। इस दौरान अर्जेंटीना लगातार दबाव दिखी। नीदरलैंड्स को दूसरे क्वार्टर में सफलता उसम समय मिली जब आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया।

एडिलेड टेस्ट से पहले मैकुलम ने इंग्लैंड टीम की वापसी पर जताया भरोसा

एजेंसी

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया)। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 2-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम सीरीज में शानदार वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा है कि अब तक इस सीरीज में हमारे बल्लेबाज पर्याप्त रन नहीं बना पाए हैं, लेकिन ऐसा कभी-कभी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग?लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का तीसरा टेस?ट मैच 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। मैच से पहले मैकुलम अपने बल्लेबाजों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्होंने इसी लाइनअप को बरकरार रखने का संकेत दिया है। आईसीसी के अनुसार मैकुलम ने रविवार को एडिलेड में प्रशिक्षण से पहले कहा कि हमारे दृष्टिकोण से हमारे पास कुछ समय से शीर्ष सात खिलाड़ी हैं और हम इसके साथ काफी हद तक सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये परिस्थितियां हमारे बल्लेबाजों की शैली के

अनुकूल होनी चाहिए। हम जानते हैं कि इस सीरीज में अब तक हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। हम कई बार ऐसी स्थिति में थे जहां हम रन बना सकते थे, लेकिन हमने कुछ गलतियां कर दीं और ऐसा कभी-कभी हो सकता है। इस सीरीज को जीतने के लिए हमें पिछले कुछ वर्षों में जो चीजें सफल रही हैं, उन्हें छोड़ने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड कोच ने कहा कि जब हम मैदान में उतरें, तो हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा हो। बिना सोचे-समझे फैसले लेना और तयशुदा बल्लेबाजी लाइन-अप में फ़ेरबदल करना हमारा तरीका नहीं है। मेहमान टीम को दोनों टेस्ट मैचों में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। मैकुलम ने कहा कि जब हम यहां आए थे, तब हमें पता था कि सीरीज जीतने के लिए हमें तीन टेस्ट मैच जीतने होंगे। 2-0 से पीछे होने से हमारे लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं, लेकिन इससे ड्रेसिंग रूम में मौजूद आत्मविश्वास पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने जीते स्वर्ण पदक

अहमदाबाद। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम पंघाल ने राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप 2025 के अपने -अपने फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक जीते। पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत अपने पसंदीदा 57 किग्रा की बजाय 61किग्रा पुरुषों के फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला करते हुए यह पदक जीता। वह राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए वजन कम करने से बचना चाहते थे। वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शनिवार को मुकाबला करते हुए अमन सहरावत ने शनिवार को फाइनल में निखिल को 10-0 से हराकर पुरुषों का 61 किग्राम का खिताब जीता। इससे पहले, अमन ने पहले राउंड में अधित नारायण को 12-1 से हराया और फिर क्वार्टर-फाइनल में ललित को 10-0 से हराया, जबकि उनकी दाहिनी आंख के ऊपर गहरा कट लग गया था।

इफको के प्रबंध निदेशक ने 2025-26 में 10 प्रतिशत लाभ वृद्धि का लक्ष्य रखा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी संस्था लिमिटेड (इफको) के प्रबंध निदेशक के जे पटेल ने वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ में 10 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। यह अनुमान ऐसे समय में सामने आया है, जब इफको को अपने प्रमुख नैनो उर्वरकों को देश में अपेक्षित स्तर तक अपनाए जाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है और संस्था किसानों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तेज कर रही है।

पटेल ने कहा कि उनकी रणनीति का केंद्र इफको की सबसे बड़ी ताकत 36 हजार सहकारी संस्थाओं और पांच करोड़ से अधिक किसानों के साथ उसका स्थायी संबंध है। हाल ही में उन्होंने 32 वर्षों तक प्रबंध निदेशक रहे यू एस अवस्थी से कार्यभार संभाला है। पटेल इफको से चार दशक से जुड़े हुए हैं। पटेल ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल उर्वरकों का निर्माण करना नहीं है, बल्कि किसानों तक यह जानकारी भी पहुंचाना है कि उनका उपयोग कैसे और कब किया जाए। उन्होंने मिट्टी के अनुसार सलाह और गुणवत्तापूर्ण बीजों के प्रयोग पर जोर देते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य से जोड़ा। चार वर्ष पहले शुरू किए गए नैनो उर्वरक इफको की सबसे बड़ी नवाचार पहल होने के साथ-साथ सबसे बड़ी चुनौती भी बने हुए हैं। चालू वर्ष में नैनो यूरिया की बिक्री 1.45 करोड़ बोतल और नैनो डीएपी की बिक्री 65 लाख बोतल रही, जो आठ करोड़ बोतल के लक्ष्य से काफी कम है। नैनो उर्वरक को रासायनिक उर्वरकों का पर्यावरण-अनुकूल विकल्प माना जाता है। पटेल ने इफको की वार्षिक 29 करोड़ बोतल उत्पादन क्षमता के मुकाबले मात्र 15 प्रतिशत उपयोग पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि जागरूकता की कमी और पत्तियों पर छिड़काव जैसी तकनीकी कठिनाइयों के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और किसानों द्वारा किए गए परीक्षणों में पैदावार को लेकर असंगत परिणाम सामने आए हैं, साथ ही मिट्टी और खाद्य श्रृंखला की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठे हैं। आलोचकों का कहना है कि नैनो उर्वरक किसानों की तुलना में इफको पर सब्सिडी के बोझ को कम करने में अधिक सहायक हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पटेल ने कहा कि करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस, गंधक अम्ल और फॉस्फ़ेट शिला जैसे आयातित कच्चे माल पर खर्च होती है।

भू-राजनीतिक जोखिम घटाने के लिए कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता जरूरी: संसदीय समिति

नयी दिल्ली। एक संसदीय समिति ने कच्चे तेल के आयात पर भारत की भारी निर्भरता और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों को देश के लिए बड़ी चुनौतियां बताते हुए सरकार से आपूर्ति स्रोतों में विविधता बढ़ाने और जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने का आग्रह किया है। पिछले सप्ताह संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में लोक उपक्रम समिति ने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 89 प्रतिशत आयात करता है। इस वजह से देश संघर्ष, प्रतिबंध, तेल उत्पादक देशों में नागरिक अशांति और स्वेज नहर तथा लाल सागर जैसे प्रमुख पोत परिवहन मार्गों में व्यवधान जैसी वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी हालिया घटनाओं ने भारत की ऊर्ज़ा आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को उजागर किया है। समिति ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और सरकारी तेल कंपनियों से कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों को भौगोलिक और अनुबंधीय दोनों स्तरों पर विविध बनाने की सिफारिश की है।

जीपीएस हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय: आईएटीए

जिनेवा/नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने कहा कि विमानों में दिशा-निर्देशन प्रणाली से जुड़े जीपीएस संकेतों में छेड़छाड़ और बाधा डालने की घटनाओं में बढ़ोतरी एक गंभीर चिंता का विषय है और ऐसे में पायलटों को अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। आईएटीए विश्व की लगभग 360 विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिनके माध्यम से वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संचालित होता है। इस संगठन में एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइन भी शामिल हैं। हाल के दिनों में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई हवाई अड्डों पर भी विमानों के जीपीएस संकेतों में छेड़छाड़ और हस्तक्षेप की घटनाएं सामने आई हैं। इस सप्ताह जिनेवा में आयोजित बैठकों के दौरान आईएटीए अधिकारियों ने कहा कि जीपीएस संकेतों में हस्तक्षेप की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है, जो चिंता का विषय है। आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि जीपीएस संकेतों की नकल और बाधा उत्पन्न करने की घटनाओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण विमानों के संचालन के दौरान पायलटों को अधिक सतर्क रहना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा, 'यह समस्या अब दुनिया भर में मौजूद है। वैश्विक स्थिति निर्धारण प्रणाली (जीपीएस) अथवा वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली से संबंधित संकेतों में छेड़छाड़ का अर्थ है उपयोगकर्ता की दिशा-निर्देशन प्रणाली को गलत संकेत देकर भ्रमित करना। अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली में छेड़छाड़ को अंतरराष्ट्रीय रेडियो आवृत्ति हस्तक्षेप का एक रूप माना है। आईएटीए में संचालन, सुरक्षा और संरक्षा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निक केयरन ने कहा कि शुरुआत में ऐसी घटनाएं पश्चिम एशिया में सामने आई थीं और बाद में रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान पूर्वी यूरोप में भी देखने को मिलीं।

दिसंबर में एफपीआई ने इक्विटी से 17,955 करोड़ रुपये निकाले, 2025 में कुल निकासी 1.6 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी निवेशकों ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार से 17,955 करोड़ रुपये निकाले हैं, जिससे 2025 में अब तक कुल निकासी बढ़कर 1.6 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह भारी निकासी नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद हुई है, जिससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव बना हुआ है। अक्टूबर में थोड़े समय के लिए यह रुझान थमा था, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 14,610 करोड़ रुपये का निवेश किया और तीन महीनों से जारी भारी बिकवाली का सिलसिला टूटा था। इससे पहले एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार एक से 12 दिसंबर के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 17,955 करोड़ रुपये निकाले। बाजार विशेषज्ञों ने इस लगातार निकासी के पीछे कई कारण बताए हैं, जिनमें रुपये में तेज गिरावट और भारतीय शेयरों का अपेक्षाकृत महंगा मूल्यांकन शामिल है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में प्रधान प्रबंधक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें, सख्त नकदी स्थिति और सुरक्षित या अधिक प्रतिफल देने वाली परिसंपत्तियों की ओर निवेशकों के झुकाव के चलते भारतीय बाजारों पर दबाव बना हुआ है।

बाजार पर दिखेगा महंगाई के आंकड़ों, वैश्विक कारकों का असर

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में बाजार पर महंगाई के आंकड़ों के साथ वैश्विक कारकों का असर भी दिख सकता है। घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किये गये थे। थोक महंगाई के आंकड़े सोमवार को जारी होने हैं। बाजार पर वैश्विक कारकों का असर भी दिखेगा। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक पहले तीन दिन की गिरावट के बाद अंतिम दो दिन बढ़त में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 444.71 अंक (0.52 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 85,267.66 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 139.50 अंक यानी 054 प्रतिशत गिरकर 26,046.95 अंक पर रहा। एनएसई का मिडकैप-50 सूचकांक 0.61 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.67 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट में बंद हुआ। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाल निशान में और अन्य 12 के हरे निशान में रहे। एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 6.80 प्रतिशत की गिरावट रही। बीईएल का शेयर 4.25 फीसदी, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 3.33, बजाज फाइनेंस का 2.96, ट्रेंट का 2.78 और पावर ग्रिड का 2.28 प्रतिशत टूट गया। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.87 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 1.71, भारती एयरटेल 1.16, इंफोसिस तथा आईटीसी दोनों के 1.06, और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.01 प्रतिशत उतर गया। इनके अलावा, भारतीय स्टेट बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सनफार्मा, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे। टाटा स्टील का शेयर सबसे अधिक 2.87 प्रतिशत चढ़ा। इटरनल में 1.92 फीसदी, टाइटन में 1.73, मारुति सुजुकी में 1.50, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.08 और कोटक महिंद्रा बैंक में 1.02 प्रतिशत की तेजी रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयर भी साप्ताहिक बढ़त में रहे।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की वर्षगांठ पर समस्त देव विग्रहों का विशेष श्रृंगार, गूंज रहे वेदमंत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की चौथी वर्षगांठ पर रविवार की अलसुबह मंगलाआरती के बाद से वेद मंत्रों की गूंज के बीच धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत हुई। मंदिर परिसर में विराजमान समस्त देव विग्रहों का विशेष श्रृंगार एवं पूजन विधिपूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर भगवान बद्रीनारायण,लक्ष्मी नारायण,माता अन्नपूर्णा, माता पार्वती तथा श्री हनुमान जी की विधिवत आराधना की गई। मंदिर न्यास के अनुसार इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दर्शन-पूजन का पुण्य लाभ प्राप्त किया और काशी विश्वनाथ धाम के नवनीकरण की चतुर्थ वर्षगांठ पर आस्था एवं उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। श्री काशी विश्वनाथ धाम के डिप्टी कलेक्टर शंभु शरण ने बताया कि यह आयोजन सनातन परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। धाम में शनिवार सुबह से ही विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आरंभ हो गई। पूर्वाह्न 11 बजे श्री काशी विश्वनाथ धाम के डिप्टी कलेक्टर शंभु शरण ने भगवान विश्वेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया। जिसमें वैदिक विधि से मंत्रोच्चार के साथ भगवान विश्वनाथ की आराधना संपन्न हुई। पूजन कार्यक्रम के माध्यम से धाम के नविनीकरण कार्य की सफलता, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा काशी की आध्यात्मिक परंपरा के संरक्षण के लिए बाबा से मंगल कामना की गई। इसके बाद मध्यान 1:30 बजे मंदिर के शंकराचार्य चौक में जयादि मंत्र एवं अप्रतिरथ मंत्र द्वारा विशेष हवन-पूजन संपन्न कराया गया। यह हवन-पूजन 11 वैदिक शास्त्रियों के सान्निध्य में विधिवत वैदिक रीति से संपन्न हुआ। हवन-पूजन के उपरांत 3 बजे मंदिर परिसर में चतुर्वेद पारायण का आयोजन भी विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। सायंकाल बेला में सांस्कृतिक मंच–शिवार्चनम् में शहर और प्रदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम की प्रस्तुति के साथ हुई। द्वितीय प्रस्तुति बांसुरी वादन में राजेश कुमार गौतम एवं उनके साथी कलाकारों ने प्रस्तुति दी। तृतीय प्रस्तुति भजन गायन में शनि मिश्र एवं उनके सह कलाकारों की रही। चतुर्थ प्रस्तुति सरोद वादन में अंशुमान एवं उनके सह कलाकारों की रही। पंचम प्रस्तुति भजन गायन में अंशिका सिंह एवं उनके सह कलाकारों ने भक्तिमय वातावरण प्रस्तुत किया। वर्षगांठ पर धाम को भव्य रूप से सजाया गया है। परिसर में प्रकाश अलंकरण,पुष्प सज्जा तथा श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

सांसों पर आफत: गैस चैंबर बना एनसीआर, सभी प्रमुख शहर डार्क रेड जोन में, ग्रैप –4 लागू

नोएडा। आसमान में जहरीली धुंध की मोटी परत की वजह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सांसों पर आफत आ गई है। एनसीआर गैस चैंबर बन चुका है। नोएडा आज देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा है, जबकि गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली भी डार्क रेड जोन में पहुंच गया है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों के सांसों पर आफत बन गई है। लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। आंखों में जलन हो रही है। दमा, ह्रदय रोग, टीबी और खांसी के मरीजों की स्थिति काफी खराब हो गई है। सरकार द्वारा ग्रैप- 4 लागू कर दिया गया है। आज से एनसीआर में बीएस-3 और बीएस-4 वाहनों पर रोक लगा दी गई है। सभी तरह के सरकारी और निजी निर्माण और तोड़फोड़ पर रोक लगा दी गई है। 12वीं तक के स्कूलों को हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों) पर चलाने के लिए निर्देशित किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रविवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार नोएडा की एक यूआई 469 अंकित की गई। ग्रेटर नोएडा की 442, गाजियाबाद की 459, दिल्ली की 460, बहादुरगढ़ की 444, बागपत की 444, पानीपत की 454, मेरठ की 355, मानेसर की 363, गुरुग्राम की 357 एक्यूआई दर्ज की गई। एनसीआर के सभी प्रमुख शहर डार्क रेड जोन में पहुंच गए हैं। यह स्थिति काफी भयावह है। वायु प्रदूषण बढ़ने के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जीना काफी कठिन हो गया है। लोग घर से निकलने से कतराने लगे हैं। इससे कारोबार पर भी काफी असर पड़ा है। क्रिसमस माह होने के बावजूद भी लोग वायु प्रदूषण के चलते घरों से नहीं निकल रहे हैं। रविवार को भी यहां के बाजारों में लोग काफी कम दिखे।

काशी–तमिल संगमम : तमिलनाडु से सातवां समूह पहुंचा काशी, पुष्पवर्षा के बीच किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए तमिलनाडु से सातवां दल यहां पहुंचा है। रविवार को इस दल के सदस्यों ने काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन किया। तमिलनाडु से सातवां दल आज दोपहर में यहां काशी विश्वनाथ के स्वर्णमंडित दरबार में पहुंचा। मंदिर के शास्त्रियों और अफसरों ने पुष्पवर्षा ,डमरू वादन और वेदध्वनि के बीच गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। दल के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस दौरान तमिल के श्रद्धालुओं ने हर–हर महादेव, काशी विश्वनाथ जय शंभों का जयघोष किया। दर्शन पूजन के बाद दल के सदस्यों को मंदिर परिसर का भ्रमण कराकर श्री काशी विश्वनाथ धाम के भव्य और नव्य रूप को दिखाया गया। धाम में भ्रमण के दौरान मंदिर की भव्यता और दिव्यता के साथ वर्षगांठ पर सजावट देख तमिल श्रद्धालु आह्लादित दिखे। भ्रमण के दौरान सभी ने धाम के ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य कला, नवनिर्मित सुविधाओं और निरंतर बढ़ती श्रद्धा-धारा के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद दल के सदस्यों ने मंदिर के अन्नक्षेत्र में भोजन किया। तमिल से आये मेहमानों ने मंदिर प्रबंधन, काशी और तमिल संगमम की परंपराओं की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। कई श्रद्धालुओं ने काशी दौरे को यादगार बताया।

प्रभातफ़ेरी निकाल रामनाम संकीर्तन हिंदू सम्मेलन के लिए आमलोगों को किया गया आमंत्रित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष में रविवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तेलियाना आदमपुर इलाके से प्रभातफ़ेरी निकालकर रामनाम संकीर्तन हिंदू सम्मेलन के लिए आम जन को आमंत्रित किया गया। हनुमान बस्ती ओंकारेश्वर नगर के तत्वावधान में तेलियाना स्थित श्री राम जानकी मंदिर के पास जुटे स्वयंसेवकों और स्थानीय युवाओं ने जय श्री राम, हर –हर महादेव, वंदे मातरम् का उद्घोष कर प्रभातफ़ेरी निकाली। प्रभातफ़ेरी में शामिल युवा ढोलक की थाप, झाल-मंजीरे की झंकार के साथ श्री राम– जय राम, जय–जय राम का कीर्तन करते हुए चल रहे थे। प्रभातफ़ेरी हनुमान फाटक, बलुआबीर, अंबियामंडी स्थित श्री शीतला माता मंदिर पहुंच कर श्रीरामरक्षास्तोत्र, हनुमान चालीसा के पाठ के उपरांत समाप्त हुई। प्रभातफ़ेरी (हनुमान बस्ती)के संयोजक संदीप सिंह के अनुसार संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बस्ती एवं मुहल्ले स्तर पर आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन के लिए सनातन धर्मावलंबियों को प्रभातफ़ेरी के माध्यम से आमंत्रित किया गया । 21 दिसंबर को अपराह्न 1 बजे से बलुआबीर में हिंदू सम्मेलन आयोजित है। प्रभातफ़ेरी में विष्णुदास, केवल कुशवाहा, संतोष साहू, दयाशंकर त्रिपाठी, नारायण केशरी, नवीन वर्मा, रूपेश वर्मा, दीपक कुशवाहा, जितेंद्र, राजेश, रामेश्वर, चंद्रभूषण, सत्यप्रकाश, मदन, अवधेश आदि ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

जरूरतमंदों के लिए खुला नि:शुल्क वस्त्र बैंक 'नेकी की दीवार' का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। जिले में सर्दी को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति (रजि.) के तत्वाधान में रविवार को अटल आश्रय गृह में ल्लनेकी की दीवारङ्क नि:शुल्क वस्त्र बैंक का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. राज्यवर्धन शुक्ला, संस्थापक वृद्धाश्रम एवं ऑक्सफोर्ड शिक्षा प्रसार संस्थान ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि व समाजसेवी अभिषेक गुप्ता उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता शिवकुमार पुरवार ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि विचित्र पहल सेवा समिति ने पर्यावरण, जल संरक्षण तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग जैसे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने अनुपयोगी, लेकिन अच्छे वस्त्र, वस्त्र बैंक में दान कर जरूरतमंदों की मदद करें। सर्दी को देखते हुए कार्यक्रम में मौजूद बुजुर्गों को कंबल वितरित किए गए। महिला शाखा तुलसी ल्लसखी ग्रुपङ्क की सदस्यों ने जरूरतमंद बच्चों को उनके नाप के स्वेटर, कोट व कैप भेंट किए। विशिष्ट अतिथि अभिषेक गुप्ता ने कहा कि खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने वालों के लिए अटल आश्रय में सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और वस्त्र बैंक से जरूरतमंदों को बड़ी राहत मिलेगी। अजीतमल से आए अखिलेश दीक्षित व विवेक दुबे ने 21 बुजुर्गों को कुर्ता-पायजामा का नया कपड़ा भेंट किया। संस्था के अध्यक्ष रानू पोरवाल ने दानदाताओं से आगे आने की अपील की। संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि अटल आश्रय में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक वस्त्र संग्रह किया जाएगा। समापन पर अध्यक्ष राजीव पोरवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

प्रत्येक देश वासी को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लेना चाहिए लाभ, मजबूत होगी आर्थिक स्थिति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। देश के प्रत्येक नागरिक को पीएम सूर्यघर योजना का लाभ लेना चाहिए। जिससे देश की बिजली उत्पादन की समस्या को कम किया जा सके और बढ़ती खपत के साथ प्राकृतिक संसाधनों द्वारा इसकी पूर्ति की जा सके।

यह बात रविवार को हिन्दुस्थान समाचार के संवाददाता से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थी प्रयागराज शहर के ओम गायत्री निवासी अनिल कुमार मौर्य ने कहा। उन्होंने बताया कि हमारे पिता राधेश्याम मौर्य विद्युत उपभोक्ता हैं। मुझे जैसे ही पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी हुई तो मैंने इस योजना का लाभ लेने के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण यूपी नेडा प्रयागराज से सम्पर्क किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ हमने लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व लिया था जिसमें हमारे घर में 4 किलो वाट का सोलर प्लांट लगाया गया। इस योजना के तहत हमे 108000 की सब्सिडी भी प्राप्त हो गई है.। सब्सिडी की वजह से सोलर लगवाने में जो खर्च आया, वह लगभग आधा रह गया। ये लाभ हमे आनग्रिड प्लांट लगवाने पर मिला जिसमें प्लांट द्वारा बनने वाली बिजली हमारे स्मार्ट मीटर के जरिए ग्रिड में जाती है और पूरे महीने में जो भी बिजली हमारे द्वारा इस्तेमाल होती है और जो ये प्लांट बनाता है उसके अंतर का बिल हमे देना होता है। प्लांट लगने के बाद से लगभग साल के 8 से 9 महीने हमें सिर्फ न्यूनतम मासिक शुल्क (कनेक्शन चार्ज) ही बिल के रूप में देना पड़ता है जो कि 4 किलो वाट के लिए लगभग 346 रुपए का विल आता है। ठंड के समय का विल है।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में कर्मकाण्डीय अनुशासन का अभ्यास शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 'स्मार्तमण्डपस्थापनम्' विषयक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को रविवार से कर्मकाण्डीय अनुशासन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के वेद विभाग की श्रौत-स्मार्त मण्डप यज्ञशाला में चल रहा है। प्रशिक्षण सत्र में आचार्य डॉ. विजय कुमार शर्मा तथा सहयोगी आचार्य डॉ. आशीष मणि त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को वेदी-विन्यास, यज्ञशाला की संरचना, मण्डपस्थापन, पूजन-विधान एवं कर्मकाण्डीय उपकरणों की समुचित व्यवस्था का प्रत्यक्ष अभ्यास कराया। आचार्यों द्वारा शास्त्रसम्मत विधानों के साथ व्यवहारोपयोगी प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया। पाठ्यक्रम के संचालक एवं केन्द्र के प्रधान गवेषक डॉ.ज्ञानेन्द्र सापकोटा ने बताया कि संस्कृत परम्परा तथा वैदिक-स्मार्त विधानों के संरक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण के उद्देश्य से यह प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम अक्टूबर माह से संचालित किया जा रहा है। इसमें 80 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत शनिवार से की गई है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मण्डपस्थापन,वेदी-विन्यास, दिशानिर्धारण, आयाम-निर्धारण, पूजन सामग्री की व्यवस्था तथा कर्मकाण्डीय अनुशासन से संबंधित विषयों का प्रत्यक्ष अभ्यास कराया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम पूर्णतः प्रायोगिक उन्मुख है, जिसमें सैद्धान्तिक अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को समान महत्व दिया गया है। पाठ्यक्रम की संरचना सघन एवं अनुशासित है, जिसके अंतर्गत कुल 45 घंटे की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। प्रशिक्षण प्रातः एवं सायं सत्रों में संचालित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को गहन एवं व्यापक ज्ञान प्राप्त हो सके। वेद विभाग के आचार्य प्रो. महेन्द्रनाथ पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान समय में स्मार्त परम्परा से जुड़े प्रशिक्षित एवं प्रमाणिक कर्मकाण्डियों की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है। यह पाठ्यक्रम न केवल परम्परागत ज्ञान के संरक्षण में सहायक होगा, बल्कि युवाओं के लिए आजीविका एवं सेवा के नए अवसर भी सृजित करेगा।

सवा लाख श्री हनुमान चालीसा पाठ में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मऊ। श्री हनुमत कृपा सेवा समिति द्वारा आयोजित सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ में आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। शीतला माता मंदिर का पूरा प्रांगण सनातनी श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। संकल्प पूजन, संगीतमय सुंदरकांड से प्रारंभ हुआ अनुष्ठान एक साथ सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ से पूर्ण हुआ। इस दौरान बागेश्वर धाम आश्रम पीठाधीश्वर बाबा बागेश्वर ने ऑनलाइन उपस्थिति के माध्यम से आयोजकों को साधुवाद देते हुए सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहाकि मैं शीघ्र ही मऊ आना चाहूंगा।

गौरतलब है कि हनुमत कृपा सेवा समिति द्वारा नगर के शीतला माता मंदिर में रविवार को एक साथ सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया था। इसके लिए कमेटी के सदस्यों द्वारा अथक मेहनत कर शीतला माता मंदिर में श्री हनुमान जी महाराज का भव्य दरबार तैयार किया गया था। जनपद के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु हजारों की संख्या में शीतला माता मंदिर पहुंचे, जहां पूरा प्रांगण भर गया। लगभग 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा विधि विधान के साथ पूजन अर्चन, संकल्प करते हुए सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संकल्पित लोगों द्वारा समय के साथ पूजन-अर्चन प्रारंभ किया गया। श्री हनुमान चालीसा पाठ शुरू होने से पूर्व संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया। दोपहर को दरबार का पट लगाकर भगवान को भोग प्रसाद भी लगाया गया। हनुमान चालीसा पूर्णाहुति उपरांत लगभग 25 हजार लोगों के महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, सुभासपा राष्ट्रीय महासचिव अरविन्द राजभर, डॉ. एससी तिवारी, डॉ. राहुल राय, आइएमए अध्यक्ष डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. योगेन्द्र यादव, इंजीनियर वीरेन्द्र, लालबहादुर जायसवाल, संतोष राजवती, प्रिंस गुप्ता, गिरधर अग्रवाल, डॉ. रघुनंदन अग्रवाल, कन्हैया जायसवाल सहित काफी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में हनुमत कृपा सेवा समिति संस्थापक अध्यक्ष चंद्रशेखर अग्रवाल ''चंदू बाबू'', अजय गुप्ता, रवि बरनवाल, डॉ. एस लाल, रामप्यारे गुप्ता, आशीष प्रजापति, अरुण वर्मा, सुशील जायसवाल, वेद नारायण मिश्रा, आनंद मिश्रा, डॉ. राम गोपाल गुप्ता, विजय तुलस्यान, राकेश श्रीवास्तव, सौरभ बरनवाल, विकास प्रजापति, अजीत वर्मा, राजेंद्र सिंह, अजय गुप्ता, मनोज मद्धेशिया सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य उपस्थित रहे।